News सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-114

पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, सोमवार 29 जुलाई 2024

आज का विचार

दुनिया के लिए आप एक व्यक्ति हैं, लेकिन परिवार के लिए आप पूरी दुनिया हैं आप अपना ख़्याल रखें।

सिंगल कॉलम

ओलंपिक में शूटिंग में भारत को पदक दिलाने वाली पहली महिला बनीं मनु भाकर

पेरिस। मनु भाकर ने रविवार को पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया। हरियाणा की 22 साल की इस निशानेबाज ने चेटरौक्स शूटिंग सेंटर में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में तीसरा स्थान हासिल करने के बाद इन खेलों में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला निशानेबाज बनीं। टोक्यो में दिल टूटने के तीन साल बाद भारत की इस सबसे प्रसिद्ध और प्रतिभाशाली निशानेबाजों में से एक ने अपने सपनों को पूरा किया और देश को गौरवान्वित किया। उन्होंने जबरदस्त वापसी की और कांस्य पदक अपने नाम किया। महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा का स्वर्ण और रजत पदक दक्षिण कोरिया की दो खिलाड़ियों ने जीता। ओह ये जिन 243.2 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक और किम येजी ने 241.3 के स्कोर के साथ रजत पदक अपने नाम किया। मनु भाकर क्वालिफिकेशन राउंड में भी तीसरे स्थान पर रही थीं। इसके साथ ही उन्होंने शूटिंग में भारत के पदक के 12 साल के सूखे को भी खत्म किया। 2012 लंदन ओलंपिक में गगन नारंग और विजय कुमार ने शूटिंग में पदक जीता था। यह शूटिंग में भारत का पांचवां पदक है। मनु से पहले चारों एथलीट्स पुरुष थे। वह राज्यवर्धन सिंह राठौड़, अभिनव बिंद्रा, गगन नारंग और विजय कुमार के क्लब में शामिल हो गईं।

रमिता जिंदल महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा के फाइनल में पहुंची

पेरिस। भारत की रमिता जिंदल ने रविवार को इतिहास रच दिया। वह महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा के फाइनल में पहुंच गई हैं। वह इस स्पर्धा के फाइनल में पहुंचने वाली तीसरी भारतीय महिला एथलीट हैं। वहीं, 20 साल बाद किसी महिला एथलीट ने ऐसा किया है। 20 साल की रमिता ने रविवार को खेले गए क्वालिफिकेशन राउंड में 631.5 के स्कोर के साथ क्वालिफाई किया। वह पांचवें स्थान पर रहीं। उन्होंने छह सीरीज में 104.3, 106.0, 104.9, 105.3, 105.3, 105.7 का स्कोर बनाया। वहीं, इसी स्पर्धा में भारत की एक और एथलीट एलावेनिल वलारिवान 630.7 के स्कोर के साथ 10वें स्थान पर रहीं और फाइनल के लिए क्वालिफाई नहीं कर सकीं। रमिता कल दोपहर एक बजे से अपना फाइनल मैच खेलेंगी और स्वर्ण पदक के लिए जोर लगाएंगी। रमिता पिछले 20 साल में मनु भाकर के बाद किसी मेडल राउंड में पहुंचने वाली दूसरी महिला शूटर बन गईं। रमिता अपने कोच सुमा शिरूर (एथेंस 2004) के बाद ओलंपिक फाइनल में जगह बनाने वाली पहली भारतीय महिला राइफल शूटर हैं। रमिता ने 631.5 का स्कोर किया और क्योंकि अंतिम सीरीज तक ऐसा लग रहा था कि वह कट नहीं बना पाएंगी। हालांकि, आखिरी सीरीज में जबरदस्त वापसी से वह शीर्ष-8 में पहुंचने में कामयाब रहीं और फाइनल में पहुंच गईं।

मुक्केबाज निकहत जरीन दमदार जीत के साथ प्री क्वार्टर फाइनल में

पेरिस। दो बार की विश्व चैंपियन मुक्केबाज निकहत जरीन ने रविवार को पेरिस ओलंपिक का दमदार तरीके से आगाज किया। जरीन ने जर्मनी की मैक्सी करीना क्लोएट्जर पर जीत के साथ महिलाओं के 50 किग्रा ओलंपिक के प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। इस 28 साल की गैरवरीय मुक्केबाज ने नॉर्थ पेरिस एरेना में अंतिम 32 दौर के मुकाबले में जर्मनी की मुक्केबाजी के खिलाफ 5-0 से जीत हासिल की। निकहत के सामने गुरुवार को खेले जाने वाले प्री-क्वार्टर फाइनल में एशियाई खेलों और मौजूदा फ्लाईवेट विश्व चैंपियन चीन की वू यू की चुनौती होगी। शीर्ष वरीयता प्राप्त वू यू को पहले दौर में बाई मिली है. ओलंपिक में पदार्पण कर रहीं निकहत पदक की मजबूत दावेदार हैं। क्लोएट्जर के खिलाफ अपने मुकाबले में वह अच्छी शुरुआत करने में विफल रहीं। जर्मनी की मुक्केबाज ने शुरुआत में आक्रामक रुख अपनाकर निकहत को चौंकाया। दूसरे दौर में भी दोनों मुक्केबाजों ने एक दूसरे पर जम पर मुक्के बरसाए, लेकिन निकहत ने इस दौरान लय हासिल की और कुछ दमदार और सटीक पंच से जर्मनी की मुक्केबाज को बैकफुट पर धकेल दिया।

अपीलः नेताजी के पोते चंद्र कुमार बोस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखा पत्र, कहा- देश के मुक्तिदाता के अवशेष जापान में होना अपमानजनक

18 अगस्त तक भारत लाए जाएं नेताजी सुभाष चंद्र बोस के अवशेष

कोलकाता। नेताजी सुभाष चंद्र बोस के पोते चंद्र कुमार बोस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने पीएम से 18 अगस्त तक जापान के रेंकोजी से नेताजी के पार्थिव अवशेषों को वापस लाने की अपील की। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया, मैं चाहता हूं कि सरकार नेताजी की मौत से जुड़ी रिपोर्ट्स के आधार पर अंतिम बयान भी जारी करे, ताकि उनके बारे में झूठी बातों पर विराम लग सके। चंद्र कुमार बोस ने मोदी सरकार से नेताजी की मौत की जांच से जुड़ी फाइलों को सार्वजनिक करने की पहल करने को कहा। उन्होंने कहा कि 10 बार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जांच होने के बाद यह स्पष्ट हो चुका है कि नेताजी 18 अगस्त 1945 को ताइवान में एक हवाई दुर्घटना में मारे गए थे। इसलिए यह जरूरी है कि भारत सरकार अंतिम बयान जारी करे, ताकि झूठी बातों और कहानियों पर विराम लग सके। पश्चिम बंगाल भाजपा के पूर्व उपाध्यक्ष चंद्र कुमार ने कहा कि नेताजी आजादी के बाद भारत लौटना चाहते थे। गोपनीय फाइलों और दस्तावेजों ने यह साफ कर दिया है कि नेताजी की मौत हवाई दुर्घटना में हुई थी। बोस ने कहा कि यह बेहद अपमानजनक है कि नेताजी के अवशेष रेंकोजी मंदिर में रखा गया है। उन्होंने कहा कि हम पिछले साढ़े तीन साल से पीएम को चिट्?ठी लिख रहे हैं कि भारत के मुक्ति दाता को सम्मान देने के लिए उनके अवशेष भारत की जमीन पर आने चाहिए।

अंतिम संस्कार करना चाहती हैं नेताजी की बेटी

चंद्र कुमार ने बताया कि नेताजी की बेटी अनीता बोस फाफ हिंदू परंपरा के अनुसार उनका अंतिम संस्कार करना चाहती हैं। मुझे लगता है कि भारत सरकार को इस पर जवाब देना चाहिए। अगर उन्हें लगता है कि ये अवशेष नेताजी के नहीं हैं, तो उन्हें रेंकोजी मंदिर रखरखाव नहीं किया जाना चाहिए। उम्मीद है कि पीएम इसका जवाब जरूर देंगे। चंद्र बोस नेताजी सुभाष चंद्र बोस के बड़े भाई शरत चंद्र बोस के दूसरे बेटे अमिय नाथ के छोटे बेटे हैं। 2016 में उन्हें पश्चिम बंगाल बीजेपी का उपाध्यक्ष बनाया गया था, लेकिन 2020 में उनसे ये पद वापस ले लिया गया। चंद्र बोस ने बीजेपी की सदस्यता से इस्तीफा देते हुए आरोप लगाया था कि पार्टी ने वादा किया था कि वह नेताजी की विचारधारा को आगे बढ़ाएगी, लेकिन ऐसा कुछ नहीं किया।

सोशल मीडिया का इस्तेमाल करें सभी मुख्यमंत्री, सरकार की योजनाओं को लोगों तक पहुंचाना जरूरी

प्रधानमंत्री बोले- विकसित भारत के लिए विकासशील और विकास की विरासत जरूरी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार और राज्यों के बीच समन्वय स्थापित करने और मजबूत प्रयासों से विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा किया जाएगा। भारतीय जनता पार्टी के नेता विनय सहस्त्रबुद्धे के अनुसार, पीएम मोदी ने कहा कि विकसित भारत के विचार के पीछे विकासशील विरासत और विकास की विरासत के निर्माण का एक विशेष स्थान है। पीएम मोदी ने दिल्ली में भाजपा शासित राज्यों के 13 मुख्यमंत्रियों और 15 उप मुख्यमंत्रियों की मुख्यमंत्री परिषद की बैठक को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं। इस दौरान पीएम मोदी ने भारत की अर्थव्यवस्था को पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह भारत सरकार का प्रमुख एजेंडा है और इसमें जनता की भागीदारी भी अति आवश्यक है। सहस्त्रबुद्धे ने बताया कि पीएम मोदी ने बैठक के दौरान पीएम मोदी ने सोशल मीडिया के उपयोग पर भी जोर दिया। पीएम मोदी ने कहा कि सरकार की योजनाओं को सोशल मीडिया के माध्यम से अलग अलग समूहों के जरिए लोगों तक पहुंचाना जरूरी है। बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में दिल्ली में यह बैठक दो दिनों तक चली। इससे पहले शनिवार को हुई मुख्यमंत्री परिषद की बैठक में प्रधानमंत्री ने संक्षिप्त भाषण ही दिया था। मुख्यमंत्री परिषद की बैठक को समय-समय पर आयोजित कराया जाता है और इसमें मुख्य रूप से सरकार के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। मुख्यमंत्री परिषद की बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह और स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा के साथ साथ वरिष्ठ भाजपा नेता भी मौजूद थे। भाजपा नेताओं और मुख्यमंत्रियों से बातचीत के दौरान पीएम मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि केंद्र सरकार की योजनाओं को राज्यों में अच्छी तरह से प्रसारित किया जाए। इसके अलवा उन्होंने कहा कि भाजपा शासित राज्यों में गुड गवर्नेंस का बेहतरीन उदाहरण पेश किया जाए। आपको बता दे कि मुख्यमंत्री परिषद की बैठक आखिरी बार इस वर्ष फरवरी के महीने में आयोजित की गई थी। बैठक के बाद पीएमम मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए हमारी सरकार बिना थके हुए लगातार काम कर रही है। बैठक में राज्य के मुख्यमंत्रियों से कहा गया कि सरकार निरंतरता के साथ काम कर रही है। आप सभी लोकसभा चुनाव में आए नतीजे को लेकर हैरान ना हों, सभी आंकड़े सरकार की बढ़त में है और चुनाव में सीट कम आने के बावजूद भी हम आगे बढ़ रहे हैं। बैठक में सीएम से कहा गया है कि हताश होने की जरूरत नहीं है बल्कि अब और ज्यादा उत्साह के साथ काम करना है और जनता के विश्वास पर खरा उतरना है।

प्रधान न्यायाधीश ने निचली अदालतों की कार्य प्रणाली पर उठाए सवाल, कहा-

जज जमानत देकर कोई जोखिम नहीं उठाना चाहते

बैंगलुरु। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने एक बार फिर से निचली अदालत के न्यायाधीशों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि अपराध के महत्वपूर्ण मुद्दों पर याचिकाकर्ता को जमानत न दिया जाना बेहद संदेहास्पद लगता है। उन्होंने कहा कि कई बार जज शक होने पर भी रिस्क नहीं लेना चाहते और जमानत देने से बचते हैं। सीजेआई ने जोर देकर कहा कि हर केस अलग होता है और जजों को अपनी समझ और विवेक का इस्तेमाल करके फैसला लेना चाहिए। प्रधान न्यायाधीश ने इस बात पर जोर दिया है कि किसी भी मामले की बारीकियों को देखने के लिए 'मजबूत सामान्य ज्ञान की भावना' की आवश्यकता है। डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि जिन लोगों को निचली अदालतों से जमानत मिलनी चाहिए, उन्हें असल में जमानत नहीं दी जाती। इस वजह से याचिकाकर्ता को उच्च न्यायलय का दरवाजा खटखटाना पड़ता है। इसके अलावा जिन लोगों को उच्च न्यायालय से जमानत मिलनी चाहिए, उन्हें वहां जमानत नहीं मिलती और इस वजह से उन्हें सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल करनी पड़ती है। इस देरी से उन लोगों को परेशानी होती है, जिन्हें मनमाने तरीके से गिरफ्तार किया गया है। प्रधान न्यायाधीश बर्कले सेंटर में मनमानी गिरफ्तारियों से जुड़े एक सवाल के जवाब में ये बातें कहीं। संवाद के दौरान एक व्यक्ति ने कहा कि हम एक ऐसे समाज में रह रहे हैं, जहां पहले किसी के द्वारा कोई कृत्य किया जाता है और उसके बाद माफी मांगी जाती है। यह तब सच हो जाता है जब नागरिक संस्थाओं द्वारा राजनीति से प्रेरित होकर कार्यकर्ताओं, पत्रकारों, और विपक्षी पार्टी के नेताओं को गिरफ्तार किया जाता है। उन्होंने आगे कहा कि ऐसी सभी तरह की कार्रवाइयां इस भरोसे के साथ की जातीं हैं कि न्याय मिलने में देरी होगी। इसके जवाब में सीजेआई ने कहा कि हमें उन लोगों पर भरोसा करना सीखना होगा, जो इस कानून प्रणाली का हिस्सा हैं। हमें निचली अदालतों को इस बात के लिए प्रेरित करना होगा कि जो लोग जमानत की मांग कर रहे हैं, उनकी चिंताओं का भी ध्यान रखा जाए।

सीजेआई ने आगे कहा कि आज की मुख्य समस्या यह है कि निचली अदालतों के न्यायाधीश द्वारा किसी को राहत देने के मामले में संदेहास्पद स्थिति नजर आती है। इस मतलब यह है कि निचली अदालतों के न्यायाधीशों द्वारा अपराध से जुड़े कुछ गंभीर मामलों में याचिकाकर्ता को जमानत नहीं दी जाती। प्रधान न्यायाधीश का कहना है कि न्यायाधीशों को हर मामले की बारीकियों को देखना चाहिए और इसके लिए मजबूत सामान्य ज्ञान की भावना का होना आवश्यक है।

अरविंद केजरीवाल के खिलाफ सीबीआई ने दायर की चार्जशीट, शराब घोटाले से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली। आबकारी नीति मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मुश्किलें खत्म होती नहीं दिख रही हैं। ताजा मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने अरविंद केजरीवाल और अन्य के खिलाफ राउज एवेन्यू कोर्ट में आरोप पत्र दायर किया है। अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय एजेंसी ने राउज एवेन्यू स्थित विशेष सीबीआई अदालत के समक्ष आरोप पत्र दायर किया। सीबीआई ने मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री को 26 जून को गिरफ्तार किया था। इससे पहले आबकारी नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने केजरीवाल को 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। वह फिलहाल न्यायिक हिरासत में दिल्ली की तिहाड़ जेल में हैं। उल्लेखनीय है कि हाल ही में ईडी द्वारा दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत दे दी है, लेकिन वे अभी भी जेल में हैं, क्योंकि सीबीआई ने उन्हें संबंधित मामले में गिरफ्तार कर लिया।

बारिश के लिए तरसा कश्मीर, गर्मी ने तोड़ा 25 साल का रिकॉर्ड

श्रीनगर। मध्यप्रदेश सहित उत्तर भारत के अधिकांश इलाकों में बारिश का दौर चल रहा है। वहीं, कश्मीर में गर्मी ने हालत खराब कर दी है। घाटी में गर्मी ने 25 साल के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। गर्मी से हालत इस कदर बिगड़ गए हैं कि 1999 के बाद कश्मीर में इतनी गर्मी पड़ रही है। बडगाम में सैकड़ों लोग दरगाह पर नंगे पैर पहुंचे और बारिश के लिए प्रार्थना की। उन्होंने प्रार्थना की कि सर्वशक्तिमान हमारे पापों को क्षमा करें। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, श्रीनगर में अधिकतम तापमान 36.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया। यह 25 वर्षों में सबसे अधिक तापमान है। श्रीनगर ही नहीं काजीगुंड और कुकेरनाग स्टेशनों पर भी 35.6 और 34.1 डिग्री सेल्सियस का उच्चतम तापमान दर्ज किया गया। तीनों स्टेशनों पर तापमान सामान्य से क्रमशः 6.3 डिग्री, 7.7 डिग्री और 8.7 डिग्री अधिक दर्ज हुआ है। मौसम विभाग के निदेशक मुख्तार अहमद ने कहा कि श्रीनगर में रविवार का तापमान वर्ष 1999 के बाद से जुलाई का सबसे अधिक तापमान था। मुख्तार अहमद ने कहा, जुलाई के महीने में अब तक का सबसे अधिक अधिकतम तापमान 10 जुलाई 1946 को 38.3 डिग्री सेल्सियस, 9 जुलाई 1999 को दूसरा उच्चतम 37 डिग्री सेल्सियस, 1997 में तीसरा उच्चतम 36.6 डिग्री सेल्सियस और आज चौथा उच्चतम 36.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। घाटी में इस महीने सूखे जैसी स्थिति देखी जा रही है और झेलम नदी का सूखा तल कई स्थानों पर देखा जा रहा है। मध्य कश्मीर के बडगाम में सैकड़ों पुरुष और महिलाएं बारिश के लिए प्रार्थना करने एक सूफी संत की दरगाह पहुंचे। वे लोग नंगे पैर दरगाह पहुंचे। उन्होंने प्रार्थना की कि हे सर्वशक्तिमान, हमारे पापों को क्षमा करें।

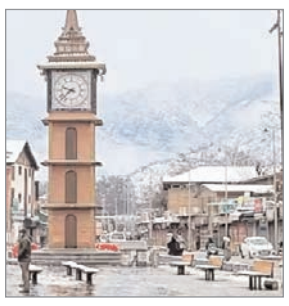

70 फीसदी कम हुई बारिश- जून और जुलाई में जम्मू-कश्मीर में विशेष रूप से हिमालय घाटी में कम वर्षा दर्ज की गई है। अधिकांश जिलों में 60 से 70 प्रतिशत कम वर्षा दर्ज की गई है। एक तरफ कश्मीर में गर्मी से हाहाकार मचा है। दूसरी ओर जम्मू में बारिश हो रही है। मुख्तार अहमद ने कहा, श्रीनगर में 1 जून से 24 जुलाई तक सामान्य 101 मिमी बारिश के मुकाबले सिर्फ 33 मिमी बारिश दर्ज की गई है। इसी तरह, दक्षिण कश्मीर के शोपियां में सामान्य 107 मिमी बारिश के मुकाबले 20.8 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि अनंतनाग में 138.7 मिमी सामान्य बारिश के मुकाबले 55 मिमी बारिश हुई।

News सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

Fastest Growing Media Network

अवश्यकता है

इंदौर भोपाल जिले के सभी तहसीलो में दैनिक अख़बार और डिजिटल रिपोर्टर की।

डिजिटल और प्रिंट के लिये मार्केटिंग टीम (मेल/फीमेल) एवं हेल्परो की अवश्यकता हैं

डिजिटल मीडिया का क्रान्तिकारी कदम

डिजिटल भारत में खबरों के लिए देखे सिटी चीफ न्यूज़

रिपोर्टर बनने के लिए सम्पर्क करे

9755996590

इंदौर में 2 इंच से ज्यादा बारिश... फिर भी जुलाई का कोटा पूरा नहीं

इंदौर। इंदौर में तीन दिन से लगातार बारिश हो रही है। शुक्रवार और शनिवार को रिमझिम होती रही, लेकिन रविवार सुबह से कभी तेज तो कभी हल्की बारिश का दौर रहा। रविवार देर रात तक बारिश होती रही। रविवार को करीब दो इंच बरसात हुई। इंदौर में इस सीजन बहुत कम बारिश हुई है और पिछले तीन दिन से हो रही बारिश के चलते थोड़ी राहत मिली है। इंदौर में इस बार बारिश का पैटर्न भी काफी अनियमित रहा है। कभी रिमझिम तो कभी तेज बारिश हो रही है। मौसम वैज्ञानिकों ने अगले एक-दो दिनों में भी अच्छी बारिश होने की संभावना जताई है। जुलाई माह में अब तक सात इंच बारिश हुई है जबकि कोटा 14.5 इंच का है। ऐसे में माह का कोटा पूरा होने में संदेह है। माह का कोटा पूरा करने के लिए 7 इंच बारिश की जरूरत है जबकि अब तीन दिन बाकी हैं। पिछले साल की तुलना में इस बार बहुत कम बारिश हुई है। पिछले साल इसी दौरान 20 इंच से अधिक बारिश हो चुकी थी, लेकिन इस साल बारिश काफी कम हुई है। स्ट्रॉन्ग सिस्टम और लो प्रेशर एरिया का अभाव भी है। 15 जुलाई के बाद स्ट्रॉन्ग सिस्टम और लो प्रेशर एरिया नहीं बनने के कारण तेज बारिश नहीं हो पाई। बंगाल की खाड़ी से लो प्रेशर एरिया बन रहा है। वर्तमान में बन रहा लो प्रेशर एरिया मूव होकर उड़ीसा के पास एक्टिव है और जल्द ही मध्य प्रदेश के आसपास पहुंचने की उम्मीद है।

जुलाई की अच्छी बारिश नहीं दिखी इस बार मौसम वैज्ञानिक अजय कुमार शुक्ला ने बताया कि रविवार शाम तक दो इंच से ज्यादा बारिश हो चुकी है। अभी लो प्रेशर एरिया बंगाल की खाड़ी से मूव होकर उड़ीसा के पास एक्टिव है। रविवार को यह मप्र के आसपास पहुंचेगा। इससे बारिश संबंधी एक्टिविटी बढ़ेगी। इससे इंदौर संभाग में एक-दो दिनों में अच्छी बारिश का अनुमान है। जुलाई माह इंदौर में अच्छी बारिश के लिए जाना जाता है। हालांकि इस बार वैसी बारिश नहीं हुई है। 13 जुलाई को ढाई इंच बारिश हुई थी। इसके बाद 24 घंटों में इससे ज्यादा बारिश नहीं हुई। स्थिति यह है कि अभी तक बारिश का रुख झड़ी वाला नहीं रहा। यानी एक दिन में चार-पांच इंच बारिश के अभी तो आसार नहीं है। पिछले साल इस दौरान सीजन की 20 इंच के ज्यादा बारिश हो चुकी थी।

एक-दो दिनों में अच्छी बारिश के आसार मौसम विभाग के मुताबिक रविवार सुबह 8.30 बजे से शाम 5.30 बजे तक 2.4 इंच बारिश रिकॉर्ड की गई। इस सीजन में अब तक 13 इंच से ज्यादा बारिश हो चुकी है। मौसम वैज्ञानिकों ने एक-दो दिनों में अच्छी बारिश के आसार जताए हैं। इससे पहले शनिवार को दिनभर रिमझिम के दौरान आधा इंच से ज्यादा बारिश हुई। इसके पूर्व 15 जुलाई को आधा इंच से ज्यादा बारिश हुई थी। इसके बाद 12 मिमी से ज्यादा बारिश ही नहीं हुई थी। इस सीजन में अब तक 11 इंच बारिश हो चुकी है। जुलाई में अब तक सिर्फ 7 इंच ही बारिश हुई है जबकि माह का कोटा 14.5 इंच का है। मौसम वैज्ञानिक अजय कुमार शुक्ला ने बताया कि इस बार 15 जुलाई के बाद स्ट्रॉन्ग सिस्टम और लो प्रेशर एरिया नहीं बनने से तेज बारिश नहीं हुई। हालांकि शनिवार शाम तक आधा इंच से ज्यादा बारिश हो चुकी थी। अभी लो प्रेशर एरिया बंगाल की खाड़ी से मूव होकर उड़ीसा के पास एक्टिव है। रविवार को यह मप्र के आसपास पहुंचेगा। इससे बारिश संबंधी एक्टिविटी बढ़ेगी।

5100 मोतियों की माला पहनाकर मंत्री कैलाश जी विजयवर्गीय का किया सम्मान

भगवान महावीर के 2550 वे निर्वाण महोत्सव वर्ष के चलते हुआ वृहद वृक्षारोपण

महावीर जैन । सिटी चीफ । इन्दौर, दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद, युवा प्रकोष्ठ, महिला प्रकोष्ठ एवं भगवान बाहुबली दि. जैन ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में रविवार 28 जुलाई को भगवान महावीर के 2550 निर्वाण महोत्सव के चलते मुनिश्री पूज्य सागर महाराज के आर्शीवाद व प्रवचनों की अमृत वर्षा के साथ 2550 पेड़ लगाने का गोम्मटगिरी पर्वत पर आयोजित होने वाले वृहद वृक्षारोपण एवं सम्मान समारोह का आयोजन हुआ जिसमें समाज बंधुओं द्वारा पौधे का रोपण कर उन्हें पेड़ बनाने की शपथ दिलाई गई कार्यक्रम में नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का 5100 मोतियों की माला पहनाकर वह समाज द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया गया प्रशस्ति पत्र का वाचन नकुल पाटोदी ने किया आयोजन प्रमुख संयोजक नकुल पाटौदी, पिंकेश टोंग्या एवं महावीर जैन ने बताया कि सामाजिक संसद के अध्यक्ष नरेंद्र वेद, ड़ी. के. जैन के मार्गदर्शन में आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ समग्र दिगंबर जैन समाज के वरिष्ठजनों के साथ-साथ सभी समाजजन उपस्थित हुए इंदौर के 100 वर्ष पुराने 125 जिनालय एवम नए जिलालयों के नाम से भी वृक्षारोपण कर सभी के नाम से तख्तियां लगाई गई 125 जिनालय के अध्यक्ष ,मंत्री व प्रतिनिधि भी उपस्थित हुए पूरे दिन ड़ी.जे. पर सुमधुर गीत संगीत पर आनद के साथ वृक्षारोपण किया गया पर्वत पर अलग-अलग वन बनाए गए हैं जिसमें प्रमुख रूप से आचार्य गुरुदेव विद्यासागर जी महाराज वन ,आचार्य गुरुदेव विद्यानंद जी महाराज वन गुरुदेव तरुण सागर जी महाराज वन जैसे कई ऊधान गोमटगिरी पर विकसित किए जाएंगे आने वाले यात्रियों के लिए बड़ा गणपति गौरी नगर बजरंग नगर क्लर्क कॉलोनी परदेशीपुरा तुलसी नगर महालक्ष्मी नगर उदय नगर गोयल नगर से आने वाले यात्रियों के लिए भी निशुल्क बस व्यवस्था भी आयोजको के द्वारा की गई जिसमे सेकड़ो की संख्या में समाजजन आयोजन स्थल पर पहुंचे मुनिश्री पूज्य सागर महाराज धर्मसभा को संबोधित किया गुरुदेव ने अपने प्रवचन में कहा कि एक पेड़ लगाना सो परिवारों को शुद्ध हवा और ऑक्सीजन देता है 2550 पेड़ लगाकर हम आने वाले कई वर्षों तक हजारों परिवारों को स्वस्थ रखने का कार्य कर रहे हैं साथ ही उन्होंने अपने प्रवचन में शिक्षा और चिकित्सा के लिए भी समाज जनों को कार्य करने का उपदेश दिया महापौर पुष्प मित्र भार्गव ने चिकित्सा और शिक्षा के क्षेत्र में सेवाओं के लिए तुरंत अपनी सहमति दी और समाजजनों को संजीवनी क्लिनिक और शिक्षा हेतु स्कूल के कमरे देने की सहमति दी आदरणीय जी कैलाश जी विजयवर्गीय ने अपने उदबोधन में गोमटगिरी पर 2550 पेड़ लगाने की तारीफ करते हुए कहा कि यहां पर एक लाख से अधिक पौधे लगाने की जगह अभी शेष है और एक लाख बॉस पौधे लगाने व पौधे देने की सहमत्ती दी गोमटगिरी की पूरी बाउंड्री पर बॉस के पौधे लगाने का संकल्प दिलाया आयोजन में प्रमुख रूप से श्री कैलाश विजयवर्गी , श्री पुष्यमित्र भार्गव, हरिनारायण यादव, टीनू जैन, संदीप दुबे, राजीव जैन गजेन्द्र जैन गिन्नी ग्रुप , संदीप जैन मोरया सरिया , भरत मोदी ,कैलाश वैद , नरेन्द्र वैद , आर के जैन रानेका , सुरेन्द्र जैन बाकलीवाल ,नवीन गोधा , गौतम जैन , सौरभ पटौदी, राजेंद्र गंगवाल निर्मल सेठी, सुभाष सामरिया, कमल सेठी ,गिरीश जैन , अनिल जैन जैनको , इंदर सेठी , प्रदीप बड़जात्या , अनिल गंगवाल , संजय जैन, मनीष अजमेरा , संदीप पहाड़िया, वीरेन्द्र बड़जात्या , अक्षय कासलीवाल, आंनद गोधा, हेमंत जैन ,महावीर बैनाड़ा , धर्मेन्द्र सिनकेम , सुधीर बड़जात्या, हर्ष जैन , मनोज बाकलीवाल ,कपूर पाटनी, जीतू पंड्या, रत्नेश टोंग्या, बबलू पटौदी ,पारस पटौदी,चिंतन जैन, अतुल सेठी, आनंद कासलीवाल, सुयश बाकलीवाल मनीष जैन, अखिलेश जैन, निलेश वेद, पूजा बड़जात्या,राहुल झाँझरी, सौरभ जैन, पारस जैन आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे कार्यक्रम का सफल संचालन अनामिका बाकलीवाल ने किया आभार जैनश झांझरी, महावीर जैन ने माना।

चार माह गुजर जाने के बाद कल पेश होगा 'इंदौर सरकार' का बजट

इंदौर। महापौर परिषद् की बैठक में 2024-25 के बजटअनुमानों की अनुशंसा की गई। मंगलवार को नगर निगम अपना सालाना बजट पेश करेगा। गत वर्ष साढ़े 7 हजार करोड़ का बजट था, तो इस बार 8 हजार करोड़ पार होने की उम्मीद है। हालांकि चालू वित्त वर्ष के चार महीने खत्म होने भी आए हैं और शेष 8 माह के लिए बजट आएगा। वैसे तो पिछले बजट के ही अधिकांश दावे धराशायी हो गए, क्योंकि निगम की माली हालत अत्यंत खस्ता है। जो कार्य चल रहे हैं वे भी बार-बार बंद हो जाते हैं। शासन निकायों की माली हालत बढ़ाने पर जोर दे रहा है, जिसके चलते नर्मदा के साथ कचरा संग्रहण शुल्क की राशि भी इंदौरी नागरिकों को महंगी पड़ेगी, जिनका शुल्क बढ़ाने का विचार किया जा रहा है। हालांकि इसका विरोध भी शुरू हो गया है। सम्पत्ति कर में तो निगम हर साल ही रेट झोन बदलकर परिवर्तन करता ही रहा है और पिछले 10 सालों में ही शहर के अधिकांश क्षेत्रों में सम्पत्ति कर दो गुना तक हो गया है।

आचार संहिता के चलते अटका बजट

इस बार लोकसभा चुनाव की आचार संहिता के चलते शहर सरकार का बजट भी अप्रैल माह में पेश नहीं हो पाया, तो केन्द्रीय बजट भी कल पेश होने जा रहा है। शहर सरकार यानी नगर निगम का पिछले वित्त वर्ष का बजट साढ़े 7 हजार करोड़ का था, जिसमें 88 करोड़ का घाटा दिखाया गया था। मोटे अनाज को बढ़ावा देने के लिए शहर में मिलेट्स कैफे खोलने की घोषणा भी महापौर ने अपने बजट भाषण में की थी और डिजीटल सोलर, ग्रीन-योग सिटी के साथ बेस्ट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिटी बनाने के भी दावे किए। मगर इनमें से एक भी दावा पूरा नहीं किया जा सका। दरअसल, पिछला साल चुनावों में ही बीत गया और चूंकि निगम में जनप्रतिनिधियों का ही राज है, तो वे भी लोकसभा और विधानसभा चुनाव में जुटे रहे, तो दूसरी तरफ नगर निगम का माली हालत लगातार खस्ताहाल ही रही। उस पर फर्जी बिल महाघोटाला अलग उजागर हो गया। नगर निगम के विकास कार्यों से जुड़े टेंडरों को कोई ठेकेदार लेने को तैयार नहीं है और पूर्व के मंजूर कार्य भी ठप पड़े हैं।

ऐसा हो सकता है नगर निगम का बजट

बजट इस बार 8 हजार करोड़ रुपए का हो सकता है। इसमें 200 करोड़ लागत वाली खुद की नई बिल्डिंग का भी प्रावधान संभव है। निगम अपनी पुरानी बिल्डिंग को तोड़कर नई बिल्डिंग के लिए इस बार कितना बजट रखेगा यह तो तय नहीं, लेकिन न्यूनतम 20 से 30 करोड़ रुपए रख सकता है। बजट में डिजिटल सिटी, निगम का पोर्टल बनाने के लिए विशेष प्रावधान किया है। दस्तावेजों के डिजिटाइजेशन पर फोकस रहेगा। पिछले दिनों सूचना व प्रौद्योगिकी विभाग के प्रभारी राजेश उदावत ने अफसरों को रिकॉर्ड ऑनलाइन करने संबंधी निर्देश भी दिए थे। इसके लिए कंसल्टेंट की नियुक्ति भी हो चुकी है। पिछली बार डिजिटल सिटी के लिए 50 करोड़ का प्रावधान किया था। इस बार 10 से 15 फीसदी राशि बढ़ाते हुए करीब 70 करोड़ का प्रावधान किया जा सकता है। निगम ने तीन-चार महीने में ही पोर्टल तैयार करने का टारगेट रखा है।

कई प्रोजेक्ट आधे-अधूरे

शहर में सडकों, पुलों से लेकर कई प्रोजेक्ट आधे-अधूरे हैं, क्योंकि निगम के पास ठेकेदारों को चुकाने की राशि ही नहीं है। निगम ने पिछला बजट पेपरलेस यानी डिजिटल पेश किया था। अब इस बार 8 हजार करोड़ पार बजट होने का अनुमान है। हालांकि 4 माह इस वित्त वर्ष के भी लगभग बीत चुके हैं। ऐसे में संभव है कि बजट की राशि कम हो जाए, क्योंकि अब 8 माह के लिए ही बजट आना है। सम्पत्ति कर में तो नगर निगम हर साल नगर निगम होशियारी से रेट झोन बदलकर इजाफा कर रहा है, मगर अब जल कर यानी नर्मदा का पानी महंगा हो जाएगा। 200 की बजाय 300 रुपए प्रतिमाह लेने पर विचार किया जा रहा है, तो कचरा संग्रहण शुल्क भी बढ़ेगा। हालांकि भाजपा के ही विधायकों व अन्य जनप्रतिनिधियों ने इस संभावित वृद्धि का विरोध शुरू कर दिया है और विपक्ष में बैठी कांग्रेस तो हल्ला मचाएगी ही।

परिषद बिल्डिंग पर 11 करोड़ खर्च हो चुके

नई परिषद बिल्डिंग का काम अभी बाकी है। इसे पूरा करने के लिए 3 करोड़ का प्रावधान किया जाएगा। अब तक इस पर 11 करोड़ खर्च हो चुके हैं। बिल्डिंग बनने के बाद फर्नीचर के लिए बजट की जरूरत होगी। पूर्व महापौर कृष्णमुरारी मोघे के कार्यकाल में पहले चरण में परिषद भवन का काम शुरू हुआ था। दूसरे चरण के तहत पूरे परिसर की बिल्डिंग का काम किया जाना था। कंसल्टेंट से प्रोजेक्ट तैयार करवाया जाएगा। कमाई करने के लिए इसका भी कमर्शियल उपयोग करेंगे। अभी 20 से 40 करोड़ की राशि का प्रावधान इस प्रोजेक्ट किया जा सकता है। एमआईसी सदस्य राजेंद्र राठौर ने बताया कि कंसल्टेंट की नियुक्ति के लिए टेंडर जारी किए थे। प्रक्रिया की जा रही है। 4-5 कंपनियों ने इसमें रुचि ली है। राज्य शासन से भी प्रोजेक्ट के लिए राशि मिल सकती है।

नागरिकों को कैसे लुभाएंगे?

अब देखना यह है कि शहर सरकार के बजट में नागरिकों को क्या लोक लुभावने सपने दिखाए जाते हैं तथा उनकी जेब किस तरह और हल्की होगी। हालांकि शहरभर में समस्याओं का अम्बार है। आवारा पशु-कुत्तों से तो जनता हलाकान है ही, वहीं जगह-जगह कचरे के ढेर अलग नजर आने लगे हैं और अभी शुरूआती बारिश में ही शहर की अधिकांश सडकें गड्ढामय हो गई हैं, जिन पर निगम पेंचवर्क कराएगा, तो आधी आबादी को अब भी नर्मदा का पानी नहीं मिलता है। अभी गर्मियों में ही महंगी दरों पर टैंकर डलवाना पड़े। नागरिकों का भी कहना है कि उन्हें बढ़ा हुआ कर देने में कोई समस्या नहीं है

पीथमपुर में बन रहा 255 एकड़ में लाजिस्टिक पार्क

इंदौर। इंदौर से 40 किलोमीटर दूर पीथमपुर में मल्टी मॉडल लाजिस्टिक पार्क आकार ले रहा है। 255 एकड़ में इसके एक चरण का निर्माण हो रहा है। इसके लिए केंद्र सरकार ने 60 करोड़ रुपये बजट में मंजूर किए है। दो साल में यह बनकर तैयार हो जाएगा। इंदौर से दाहोद तक रेल लाइन बिछाई जा रही है। इंदौर से पीथमपुर के आगे टीही तक का काम चल रहा है। यहां एक सुरंग भी तैयार हो चुकी है। रेल लाइन शुरू होने के बाद पीथमपुर से दूसरे शहरों तक कंटेनर परिवहन आसान हो जाएगा। लाजिस्टिक पार्क बनने से यहां कंपनियों को अपने उत्पाद रखने में आसानी होगी। पिछले साल पार्क का भूमिपूजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअली किया था। वैसे इस प्रोजेक्ट पर डेढ़ हजार करोड़ रुपये खर्च होना है, लेकिन पहले चरण में 700 करोड़ रुपये खर्च होंगे। पार्क के लिए 22 हेक्टेयर जमीन है, कुछ जमीनों के अधिगृहण की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

इसलिए पीथमपुर को चुना पार्क के लिए मध्य प्रदेश के मध्य हिस्से में है। देश का पहले एसईझेड भी पीथमपुर में है। यहां सैकड़ों बड़ी कंपनियां को अपने उत्पाद सड़क मार्ग से दूसरे राज्यों तक पहुंचाना पड़ते है। या फिर रेल परिवहन के लिए इंदौर तक माल पहुंचाना पड़ता है। पीथमपुर तक रेल लाइन बिछाए जाने के बाद और मल्टी लाजिस्टिक पार्क बनने से परिवहन में और आसानी होगी। अभी पेरिशेबल गुड्स पीथमपुर से दूसरे शहरों में भेजने में परेशानी आती है, लेकिन पार्क में कोल्ड स्टोरेज की सुविधा भी रहेगी। इससे सब्जियां, फल, फूल व अन्य उत्पाद भी दूसरे शहरों तक भेजे जा सकेंगे। देश के अलग अलग शहरों में 35 पार्क बनना है। इसमें पीथमपुर भी शामिल है। टीही में कंटेनर डिपो है। पार्क में भी एक कंटेनर डिपो अलग से बनाया जाएगा। इस पार्क के बनने से इंदौर की इंडस्ट्री के विकास को भी रफ्तार मिलेगी।

कल से इंदौर-कोटा के बीच साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन चलेगी

इंदौर। यात्रियों की मांग और सुविधा को ध्यान में रखते हुए कोटा-इंदौर के बीच 09804/09803 कोटा इंदौर कोटा साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में चार-चार फेरे चलेगी। वरिष्ठ जन संपर्क अधिकारी रतलाम प्रदीप शर्मा ने बताया कि गाड़ी संख्या 09804 कोटा इंदौर स्पेशल 30 जुलाई 2024 से 20 अगस्त 2024 तक कोटा से प्रति मंगलवार को 14.10 बजे चलेगी। ट्रेन 18.15 बजे नागदा, 19.25 बजे उज्जैन और 20.10 बजे देवास होते हुए 21.00 बजे इंदौर स्टेशन पहुंचेगी। इसी प्रकार वापसी में गाड़ी संख्या 09803 इंदौर कोटा स्पेशल 30 जुलाई 2024 से 20 अगस्त, 2024 तक इंदौर से प्रति मंगलवार को 22.40 बजे चलेगी। ट्रेन देवास 23.26 बजे, उज्जैन 23.40 बजे और नागदा 01.20 बजे होते हुए बुधवार को 06.25 बजे कोटा पहुंचेगी। इस ट्रेन का दोनों दिशाओं में रामगंज मंडी, भवानी मंडी, शामगढ़, सुवासरा, चौमहला, विक्रमगढ़ आलोट, महिदपुर रोड, नागद, उज्जैन एवं देवास स्टेशनों पर स्टॉप रहेगा। इस ट्रेन में सेकंड एसी, थर्ड एसी, थर्ड एसी इकोनॉमी, स्लीपर एवं सामान्य श्रेणी के कोच रहेंगे।

केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र खटीक बोले- विपक्ष हताशा के दौर से गुजर रहा

इंदौर। केंद्रीय सामाजिक न्याय विभाग मंत्री वीरेंद्र कुमार खटीक रविवार को इंदौर आए। उन्होंने मीडिया से चर्चा में कहा कि देश की जनता ने विपक्ष को तीसरी बार नकार दिया है। उनके पास कोई मुद्दा नहीं बचा है। वे बजट को लेकर भी बेबुनियाद आरोप लगा रहे है। दरअसल विपक्ष हताशा, निराशा और उदासी के दौर से गुजर रहा है। उन्होंने केंद्रीय बजट को लेकर कहा कि विपक्ष ने देश में बजट को लेकर निराशा का माहौल बनाने की कोशिश की, लेकिन निवेशकों में बजट के कारण उत्साह का माहौल है। विदेशी निवेशक भारत की अर्थव्यवस्था की तरफ आकर्षित हो रहे है और निवेश भी कर रहे है। बजट के सकारात्मक परिणाम जल्दी ही नजर आएंगे। खटीक से स्वच्छ शहर इंदौर में ट्रांसजेंडरों के लिए सार्वजनिक शौचालय नहीं होने का जब सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि ट्रांसजेंडरों के संबंध में जल्दी ही एक कार्यशाला आयोजित की जा रही है। जिसमें अलग-अलग प्रदेशों के अफसर शामिल होंगे। कार्यशाला में ट्रांसजेंडरों से जुड़ी समस्या और उनके निराकरण पर जोर दिया जाएगा। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार सबका साथ, सबका विकास के भाव से काम करती है। विपक्ष भेदभाव करने का आरोप लगाता है। उसमे कोई दम नहीं है। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण जो प्रोजेक्ट बनता है। उससे राज्य आपस में जुड़े रहते हैं। सभी को उसका फायदा होता है। जीएसटी का संग्रहण जिन राज्यों से होता है, उसे उसी अनुपात में बराबरी से आवंटित किया जाता है। पत्रकारवार्ता में मंत्री तुलसी सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, भाजपा नगर अध्यक्ष गौरव रणदिवे मौजूद थे।

उद्योग मंत्री बोले- इंदौर की पहचान अब नवाचारों के लिए होने लगी

इंदौर। इंदौर नगर निगम द्वारा आयोजित हैकथॉन प्रौद्योगिकी प्रतियोगिता के समापन कार्यक्रम में उद्योग मंत्री चैतन्य कश्यप ने कहा कि राजनीति में मेरा पहला परिचय कैलाश विजयवर्गीय से ही हुआ था वो मेरे राजनीति गुरु हैं। जबसे कैलाश विजयवर्गीय जी ने महापौर के तौर पर काम करना शुरू किया था से नए नए प्रयोग सामने आने लगे। आज लोगों को बड़ी-बड़ी समस्याओं के समाधान के लिए नगर निगम या नगरी निकाय से ही उम्मीदें होती हैं। इंदौर की पहचान अब अभिनव प्रयासों के लिए होने लगी है। हर जगह बात आती है पब्लिक सर्विस हम सर्विसेज को डिलीवर कैसे करते हैं। डिजिटाइजेशन से ही भ्रष्टाचार पर रोक लगाई जा सकती है। डिजिटाइजेशन लोकतंत्र की संजीवनी है।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि 5-6 दिन पहले पूरा सिस्टम फेल होने से दुनिया भर के जहाज रुक गए। जनता की इच्छा व सेवा के लिए सिस्टम के माध्यम से काम किया जाता है, इसके साथ ही सिस्टम फेल हो तो उसका भी अल्टरनेट सिस्टम होना चाहिए, इसीलिए चिंतन मंथन लगातार चलते रहना चाहिए।

मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि इंदौर देश की सबसे स्वच्छ, स्मार्ट सिटी होने के साथ ही नवाचार के लिए प्रसिद्ध है। इंदौर हमेशा चैलेंज के साथ काम करता है। इंदौर को डिजिटल सिटी बनाने और नगर निगम की सुविधाओं और योजनाओं को डिजिटल प्लेटफार्म पर लाने के उद्देश्य से आयोजित हैकथॉन में देश के 1500 से ज्यादा रजिस्ट्रेशन हुए थे।

इनमें से कई शहरों के 79 से ज्यादा यूनिवर्सिटी, कॉलेज के 500 से ज्यादा स्टूडेंट, एक्सपर्टस का चयन हुआ है।

15 से अधिक जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

छोटी नदियां उफान पर, बड़ी नदियों और बांधों में लगातार बढ़ रहा है पानी

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में रविवार सुबह से बारिश का दौर जारी रहा। सोमवार को प्रदेश के 15 से ज्यादा जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। साथ ही आकाशीय बिजली गिरने का भी अलर्ट जारी है। मध्यप्रदेश में अब तक मानसून सीजन की 103 फीसदी बारिश हो चुकी है। 16 इंच के मुकाबले 16.5 इंच यानी 0.5 इंच ज्यादा पानी गिर चुका है। यह औसत बारिश से तीन प्रतिशत ज्यादा है। प्रदेश की छोटी नदियां उफान पर हैं, बड़ी नदियों और बांधों में लगातार पानी बढ़ रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, 29-30 जुलाई को तेज बारिश का दौर थम जाएगा। लेकिन 31 जुलाई से फिर स्ट्रॉन्ग सिस्टम की एक्टिविटी शुरू होगी। इधर, सुबह भोपाल के पास कोलार डैम के आठ में से दो गेट सुबह खोल दिए गए हैं। कोलार बांध वीरपुर का जलस्तर बढ़कर 458.70 मीटर होने पर गेट खोले गए। कोलार डैम से दोनों गेट 40-40 सेंटीमीटर खोले गए हैं। बता दें कि कोलार डैम सीहोर जिले में है, लेकिन भोपाल की आधी आबादी को पीने का यही से पानी मिलता है।

कभी भी खोल सकते हैं भागभदा के गेट भोपाल में तेज बारिश हो रही है। कई इलाकों की सड़कें पानी में डूब गई हैं। बड़े तालाब के जलस्तर में भी तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। भदभदा डैम के गेट भी कभी भी खुल सकते हैं। कैचमेंट एरिया में तेज बारिश और कोलास नदी के लेवल से ऊपर बहने से बड़ा तालाब में तेजी से पानी बढ़ रहा है। रविवार की सुबह लेवल 1665.00 फीट पहुंच गया है। यानी, तालाब 1.80 फीट ही खाली है। पानी की अच्छी आवक होने के चलते पल-पल की नजर रखी जा रही है। बड़ा तालाब का फुल टैंक लेवल 1666.80 फीट है। रविवार सुबह तक इसमें 1665.00 फीट पानी आ चुका है।

इन क्षेत्रों में भारी बारिश का अलर्ट अशोकनगर, सागर, दमोह, रायसेन, नरसिंहपुर, भिंड, श्योपुरकलां, मुरैना, खंडवा, खरगोन, बुरहानपुर, पांढुर्ना पेंच, दक्षिण छिंदवाड़ा, दक्षिण सिवनी, नीमच, मंदसौर, गुना, निवाड़ी में बिजली के साथ भारी बारिश होने की संभावना है। वहीं,

उत्तरी छतरपुर के साथ-साथ उत्तरी छिंदवाड़ा, उत्तरी सिवनी, टीकमगढ़, दक्षिणी छतरपुर, अनुपपुर अमरकंटक, डिंडोरी, मंडला, बालाघाट, शिवपुरी, दतिया, मैहर, रतलाम, नर्मदापुरम पचमढ़ी, हरदा, बैतूल, देवास में बिजली के साथ मध्यम बारिश होने की संभावना है। शाजापुर, राजगढ़, सीहोर, धार, इंदौर के साथ सीधी, सिंगरौली, सतना, रीवा, मऊगंज, भोपाल, जबलपुर, शहडोल, उमरिया, कटनी, पन्ना, अलीराजपुर, बड़वानी, झाबुआ में बिजली के साथ बारिश होने की संभावना है।

ये वेदर सिस्टम सक्रिय मौसम विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक, समुद्र तल पर मानसून की द्रोणिका अब बीकानेर, चूरू, आगरा, प्रयागराज, रांची से होकर समुद्र तल से 3.1 किलोमीटर ऊपर तक फैली हुई है। पश्चिम बंगाल के गंगा के मैदान और उससे सटे उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना कम दबाव का क्षेत्र अब पश्चिम बंगाल के गंगा के मैदान और उससे सटे उत्तरी ओडिशा के ऊपर बना हुआ है। इससे जुड़ा चक्रवाती परिसंचरण समुद्र तल से 7.6 किलोमीटर ऊपर तक फैला हुआ है और ऊंचाई के साथ दक्षिण-पश्चिम की ओर झुका हुआ है। अगले 24 घंटों के दौरान इसके पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है। दक्षिण गुजरात से उत्तरी केरल के तटों तक पश्चिमी तट पर समुद्र तल से अपतटीय द्रोणिका बनी हुई है। वहीं, विरूपक हवाओं का क्षेत्र (शियर जोन) ऊंचाई के साथ दक्षिण की ओर झुका हुआ बना हुआ है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बन गया है। इसके अलावा अलग स्थानों पर तीन अन्य मौसम प्रणालियां भी बनी हुई हैं। मौसम प्रणालियों के प्रभाव से अरब सागर एवं बंगाल की खाड़ी से लगातार नमी आने का सिलसिला बना हुआ है। इस वजह से पूरे प्रदेश में रुक-रुककर वर्षा हो रही है। हल्की से मध्यम वर्षा का यह दौर अगले दो-तीन जारी रह सकता है।

बुंदेलखंड एक बार फिर मेघराज के नाराज होने से परेशान मध्यप्रदेश में अधिकांश जिलों में झमाझम बारिश का दौर जारी है। कई जिलों में तो बारिश से हालात बिगड़े हुए हैं। लेकिन हमेशा की तरह पानी की कमी को झेलता बुंदेलखंड एक बार फिर मेघराज के नाराज होने से परेशान है और यही वो वजह है कि बुंदेलखंड के अलग-अलग हिस्सों में पानी के लिए लोग अब पूजा पाठ से लेकर टोने टोटके का भी सहारा ले रहे हैं। छतरपुर में कुछ ऐसी ही तस्वीर सामने आई हैं, जहां एक ओर छतरपुर शहर में मेघदेवता को मनाने के लिए टोटके के तौर पर गधा-गधी की शादी करवाई गई है, तो वहीं जिले के गलान गांव में ग्रामीणों ने गांव की अधिष्ठात्री देवी करीला माता को प्रसन्न करने के लिए उनके स्थान पर राई नृत्य का आयोजन कराया है।

मध्यप्रदेश में सभी स्थानीय निकायों में एक-एक तालाब होंगे पुनर्जीवित

588 करोड़ रुपए होंगे खर्च, 471 करोड़ जलाशयों के संरक्षण और 117 करोड़ हरियाली विकास पर

भोपाल। प्रदेश के 430 स्थानीय निकायों में से प्रत्येक अपने यहां के एक तालाब और जहां तालाब नहीं हैं, वहां बावड़ी या छोटी नदी को पुनर्जीवन देगा। इसके लिए जलाशय में मिलने वाले सीवेज और अन्य गंदगी को रोका जाएगा। तालाब का गहरीकरण किया जाएगा। इसके साथ ही आसपास ग्रीन स्पेस यानी हरियाली विकसित की जाएगी। दोनों कामों में मिलाकर 588 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। सफाई के बाद इन जलाशयों का पानी शहर में पार्कों की सिंचाई के लिए उपयोग किया जाएगा। इसके लिए स्थानीय स्तर पर निकाय निविदा कर एजेंसी का चयन करेंगे। लगभग एक वर्ष में यह काम पूरा होगा। 430 में से 350 स्थानीय निकायों ने जलाशयों के संरक्षण के लिए एजेंसी चयन की प्रकिया भी शुरू कर दी है।

जल गंगा संवर्धन अभियान की शुरूआत

गौरतलब है कि मध्यप्रदेश सरकार ने इसी वर्ष गंगा दशहरा से प्रदेश भर में जल गंगा संवर्धन अभियान शुरू किया था। इसी कड़ी में छोटे-बड़े सभी स्थानीय निकाय में एक जलाशय (वॉटर बॉडी) का संरक्षण किया जा रहा है। जलाशय के संरक्षण में 471 करोड़ और हरियाली विकसित करने में 117 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। यह राशि ह्यअमृत-2ह्ल परियोजना के अंतर्गत खर्च की जा रही है।

390 जलाशयों के आसपास बनाया जाना है ग्रीन स्पेस

हरियाली क्षेत्र (ग्रीन स्पेस) 390 जलाशयों के आसपास बनाया जाना है। ग्रीन स्पेस को पार्क की तरह विकसित नहीं किया जाएगा, बल्कि यहां बड़े पेड़ रहेंगे। इससे जलाशय का संरक्षण भी होगा। प्रदेश में पहली बार जलाशयों के पास ग्रीन स्पेस बनाया जा रहा है। नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय के एक अधिकारी ने बताया कि जलाशय के संरक्षण में पहला काम उसमें मिलने वाले गंदे पानी को रोकना है। शहरी क्षेत्रों में कई तालाबों में उस शहर का सीवेज का पानी भी मिल रहा है, जिसे सबसे पहले रोकने का काम होगा। साथ ही जलाशय की मरम्मत, सफाई का काम किया जाएगा।

गौवंश की दुर्दशा : 20 साल से संचालित आश्रय स्थल में पशु चिकित्सक का पद स्वीकृत नहीं

क्षमता 80 की और भर रखे 150 पशु, रोज तोड़ रहे दम

भोपाल। राजधानी भोपाल में घायल और बीमार आवारा पशुओं के लिए संचालित पशु विभाग के आश्रय स्थल में बड़ी लापरवाही सामने आई है। यहां पर 80 की क्षमता है, लेकिन 150 बीमार और घायल गौवंश को रखा जा रहा है। 20 साल से संचालित आश्रय स्थल में कोई पशु चिकित्सक का पद स्वीकृत नहीं है। वहीं, मृत पशुओं के शव भी सुबह एक बार उठाए जाते हैं। उसके बाद बीमार पशु मृत जानवरों के साथ ही दिन और रात गुजारते हैं। यह सब तब है जबकि प्रदेश सरकार गौवंश को लेकर करोड़ों रुपये खर्च करने का दावा कर रही है। 20 साल पहले शुरू हुए इस आश्रय स्थल में गौवंश और कुत्तों की संख्या 200 से 250 के करीब है। हद तो यह है कि इस आश्रय स्थल में कोई डॉक्टर तैनात नहीं है। एक अटैच पशु चिकित्सक के जिम्मे सौ से ढाई सौ बीमार और घायल गौवंश और कुत्तों का इलाज चलता है। जबकि यहां पर एक नोडल अधिकारी, तीन डॉक्टर, तीन कपाउंडर और आठ सफाई कर्मचारी हैं। डॉक्टरों के तीनों पद खाली हैं। रात में सभी बेजुबान पशु एक चौकीदार के भरोसे रहते हैं। ऐसे में कई बार इमरजेंसी में समय पर इलाज और दवा के अभाव में पशुओं की मौत हो जाती है।

मृत पशुओं को लेने एक बार आती है निगम की गाड़ी

आश्रय स्थल में गौवंश के मृत होने पर नगर निगम की गाड़ी ही उनको उठाने आती है। जानकारी के अनुसार आश्रय स्थल में नगर निगम की गाड़ी सिर्फ एक बार दिन में मृत पशुओं को लेने आती है। ऐसे में दिनभर में बीमार और घायल पशुओं की मौत होने पर उनके शव दूसरे जानवरों के बीच ही पड़े रहते हैं। पर्याप्त स्टाफ नहीं होने से साफ-सफाई की भी समस्या बनी रहती है।

15 गौवंश की मौत, इधर-उधर पड़े नजर आए शव

शनिवार रात को आश्रय स्थल में करीब 15 गौवंश की मौत हो गई। इनके शव इधर उधर पड़े दिखाई दिए। इसका किसी जागरूक व्यक्ति ने वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। इसके बाद आश्रय स्थल की अव्यवस्था की पोल खुल गई। इसमें बीमार गायों के बीच ही मृत गौवंश के शव पड़े दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद पशुपालन और भोपाल नगर निगम की कार्यप्रणाली फिर सवालों के घेरे में आ गई है।

2004 में शुरू हुआ था आश्रय स्थल

भोपाल में पशु आश्रय स्थल की शुरूआत 2004 में माता मंदिर के पास हुई थी। इसका उद्देश्य आवारा पशुओं के घायल और बीमार होने पर उनको इलाज उपलब्ध कराना है। 2010 में आश्रय स्थल राज्य पशु चिकित्सालय जहांगीराबाद शिफ्ट किया गया, इसके बाद से यहीं पर संचालित है।

इमरजेंसी में रात में भी डॉक्टर जाते हैं

आश्रय स्थल की इंचार्ज डॉ. सुनीता शरण ने कहा कि हमारे पास गौशाला, शहर के आवारा और कांजी हाउस के बीमार और घायल पशुओं को इलाज के लिए लाया जाता है। सुबह 8 बजे से रात 11 बजे तक स्टाफ आश्रय स्थल पर उपलब्ध रहता है। इसके बाद इमरजेंसी भी डॉक्टर इलाज के लिए रात में जाते है। नगर निगम की गाड़ी हमारे बुलाने पर आती है।

भाजपा सरकार को गायों के प्रति कोई सेवा भाव नहीं : कांग्रेस

वहीं, इस मामले में कांग्रेस प्रवक्ता और पूर्व विधायक कुणाल चौधरी ने कहा कि गायों के नाम पर भाजपा की सरकार सिर्फ अपनी राजनीति चमका रही है। भाजपा की सरकार को ना तो गायों के प्रति कोई सेवा भाव है ना ही किसान, गरीब और आम जनता के प्रति। यह सिर्फ भ्रष्टाचार और भय पैदा करना जानते हैं।

कांग्रेस को सिर्फ राजनीति करना है : भाजपा

वहीं, भाजपा विधायक भगवानदास सबनानी ने कहा कि हमारी सरकार गायों के प्रति संवेदनशील है। सरकार ने गायों के लिए बजट भी बढ़ाया है। ऐसे मामले आते है तो दुःख होता है। इसको लेकर कड़े कदम उठाए जाएंगे।

प्रदेश के सभी जिलों में बनेगा एक साइबर पुलिस स्टेशन

मप्र में साइबर अपराधों की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए लिया निर्णय, हर थाने में होगी सायबर डेस्क

भोपाल। साइबर अपराध की घटनाएं लगातार बढ़ने के बाद हर जिले में एक साइबर थाना और हर थाने में एक साइबर हेल्प डेस्क बनाने की तैयारी की जा रही है। साइबर हेल्प डेस्क बनाने का प्रस्ताव एक वर्ष पहले से था, लेकिन बजट नहीं होने की वजह से इस पर अमल नहीं हो पाया। अब नए सिरे से साइबर थाना और हेल्प डेस्क बनाने की प्रक्रिया तेज हुई है। राज्य साइबर मुख्यालय में इसके लिए शासन से बजट की मांग की है। अभी प्रदेश में साइबर का एकमात्र थाना भोपाल में है। बाकी जिलों में क्राइम ब्रांच या अन्य थानों में साइबर के अपराध दर्ज किए जाते हैं। पुलिस मुख्यालय के अधिकारियों ने बताया कि साइबर हेल्प डेस्क में एक पुलिसकर्मी को साइबर अपराध अनुसंधान का प्रशिक्षण देकर पदस्थ किया जाएगा। वह लोगों की शिकायतें सुनने के बाद आवश्यकता पड़ने पर साइबर थाने में भेजेगा।

तीन लाख तक पहुंची शिकायत पिछले पांच वर्ष की बात करें तो साइबर अपराध की शिकायतें जो पांच हजार से भी कम थीं वे तीन लाख से ऊपर पहुंच गई हैं। साइबर पुलिस मुख्यालय के अधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष जनवरी से अब तक 250 करोड़ रुपये की साइबर ठगी हो चुकी है। दूसरे देशों में बैठे लोग भी इस तरह के अपराध में संलिप्त हैं। साइबर थाने बनने से साइबर कानून में दक्ष अमला पदस्थ किया जाएगा। इसका लाभ यह होगा कि अपराध की घटनाओं पर कार्यवाई में तेजी आएगी। जांच से लेकर कोर्ट में आरोप पत्र प्रस्तुत करने तक हर काम समय पर और गुणवत्ता से हो सकेगा।

आठवीं की छात्रा ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

भोपाल। गोविंदपुरा के बंगाली माहल्ला विश्वकर्मा नगर में रहने वाली एक 14 वर्षीय किशोरी ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। घटना शनिवार शाम की है। किशोरी आठवीं कक्षा की छात्रा थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले में छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस को मृतका के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। इस वजह से फिलहाल यह पता नहीं चल सका है कि किशोरी ने यह आत्मघाती कदम क्यों उठाया। गोविंदपुरा थाना पुलिस के मुताबिक इलाके के बंगाली मोहल्ला में प्रियंका घरामी (14) अपने परिवार के साथ रहती थी। उसके पिता संजीव घरामी मूर्तिकार हैं और दुर्गा जी और गणेश जी की प्रतिमा बनाने का काम करते हैं। वह इन दिनों काम के सिलसिले में बनारस गए हुए हैं। परिवार में संजीव की पत्नी और दो बच्चे हैं। बड़ा बेटा नौवीं कक्षा में पढ़ता है, जबकि प्रियंका एक सरकारी स्कूल में आठवीं कक्षा की छात्रा थी। शनिवार शाम करीब चार बजे प्रियंका ने घर के बाहर बने बाथरूम में फांसी लगा ली। स्वजन ने जब उसे फंदे पर लटका देखा तो शोर मचाकर आसपास के लोगों को बुलाया। उसे फंदे से उतारकर एम्स ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

12वीं के छात्र ने फांसी लगाकर दी जान, सुसाइड नोट में प्रेम प्रसंग बताया कारण

भोपाल। शहर के अरेरा हिल्स थाना इलाके में स्थित भीम नगर में रहने वाले एक किशोर ने फांसी लगाकर जान दे दी। उसके रजिस्टर में अंग्रेजी में लिखा सुसाइड नोट मिला है। उसमें प्रेम प्रसंग की वजह से जान देने की बात लिखी है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम के बाद किशोरवय बालक का शव स्वजन के सुपुर्द कर दिया गया है। अरेरा हिल्स थाना पुलिस के मुताबिक भीमनगर के बिहारी मोहल्ले में रहने वाला 17 वर्षीय नितेश पुत्र कमलेश विश्वकर्मा 12वीं कक्षा में पढ़ता था। उसके बढ़ई का काम करते हैं। परिवार में माता-पिता के अलावा नितेश की दो बहनें भी हैं। परिवार का एक मकान रातीबड़ में बनकर तैयार हुआ है। शुक्रवार को नितेश को छोड़कर सभी लोग उस मकान को देखने रातीबड़ चले गए थे। नितेश घर में अकेला था। शुक्रवार शाम को पिता ने नितेश को कई बार फोन लगाया, लेकिन उसने फोन रिसीव नहीं किया। इस पर उन्होंने पड़ोस में रहने वाले अपने साले को घर जाकर नितेश से बात कराने को बोला।

आवारा पशुओं को पकड़ने पहुंचा था अमला, खाली हाथ वापस लौटा

पशु मालिकों ने किया हमला, निगम कर्मचारियों ने भागकर बचाई जान

भोपाल। भानपुर क्षेत्र में शनिवार को नगर निगम अमला सड़कों पर आवारा विचरते गोवंश को पकड़ने पहुंचा था। यह देख पशु मालिक विरोध पर उतर आए और उन्होंने निगम कर्मियों पर हमला कर दिया। हालात बिगड़ते देख कर्मचारियों को गाड़ी लेकर मौके से भागना पड़ा। बाद में निगमकर्मियों ने मामले की शिकायत छोला मंदिर थाने में दर्ज कराई। हादसे की सूचना पर नगर निगम अपर आयुक्त और गोवर्धन परियोजना प्रभारी भी थाने पहुंच गए थे। पुलिस ने आवेदन के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। पिछले एक हफ्ते में बेसहारा गोवंश पकड़ने पहुंची टीम पर पशु मालिकों की ओर से हमले करने का तीसरा मामला है। हालांकि, पिछले दोनों मामलों में पुलिस प्रकरण दर्ज कर चुकी है। गौरतलब है कि सड़क पर मौजूद बेसहारा गोवंश के कारण हो रहे हादसों को देखते हुए निगम का अमला इन्हें पकड़ने के लिए अभियान चला रहा है।

सीएम हेल्पलाइन पर हुई थी शिकायत सड़क पर विचरण करने वाले बेसहारा गोवंश के कारण होने वाली असुविधा और हादसे की आशंका को देखते हुए स्थानीय रहवासियों ने इसकी शिकायत सीएम हेल्पलाइन पर की थी। ऐसे में निगम अमले के प्रभारी मुकेश अहिरवार तीन और साथियों के साथ कार्रवाई करने पहुंचे थे। मौके पर आठ से 10 गोवंश मौजूद थे। टीम इनको पकड़ने लगी तो चार-पांच लोगों ने आकर पकड़ने से रोका। जब बताया कि शिकायत के आधार पर कार्रवाई की जा रही है। तो इन लोगों ने कर्मचारियों के साथ हाथापाई शुरू कर दी।

साम्पदकीय

लापरवाही-भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रही लोगों की जान?

देश की राजधानी दिल्ली के राजेंद्र नगर के एक कोचिंग सेंटर की लाइब्रेरी में अचानक भारी मात्रा में पानी भर जाने से तीन छात्रों की दर्दनाक मौत हो गई। पहली नजर में यह लगता है कि दिल्ली में हुई भारी बारिश से पानी तेजी से बेसमेंट में घुसने लगा। बच्चों को बाहर निकलने का अवसर नहीं मिला और वे इसकी चपेट में आ गए, लेकिन घटना के बाद बच्चों ने जो जानकारी दी है, उससे साफ पता चलता है कि इस मामले में गंभीर लापरवाही हुई है जिसका खामियाजा बच्चों को भुगतना पड़ा है।

27 जुलाई शनिवार की शाम दिल्ली ही नहीं पूरे देश के लिए एक अनहोनी लेकर सामने आई। देश की राजधानी दिल्ली के राजेंद्र नगर के एक कोचिंग सेंटर की लाइब्रेरी में अचानक भारी मात्रा में पानी भर जाने से तीन छात्रों की दर्दनाक मौत हो गई। कुछ ही देर में यह समाचार पूरी मीडिया की सुर्खियों में आ गया। पूरे देश से अभिभावक अपने बच्चों की सुरक्षा जानने के लिए परेशान हो गए। लोग बार-बार फोन कर अपने बच्चों के बारे में पता करने लगे। पहली नजर में यह लगता है कि दिल्ली में हुई भारी बारिश से पानी तेजी से बेसमेंट में घुसने लगा। बच्चों को बाहर निकलने का अवसर नहीं मिला और वे इसकी चपेट में आ गए, लेकिन घटना के बाद बच्चों ने जो जानकारी दी है, उससे साफ पता चलता है कि इस मामले में गंभीर लापरवाही हुई है जिसका खामियाजा बच्चों को भुगतना पड़ा है। इस मामले में नगर निगम की सफाई व्यवस्था बुरी तरह से घेरे में आ गई है। यदि नालों की सही तरीके सफाई हुई होती तो संभवत- इस दर्दनाक घटना को रोका जा सकता था। छात्रों ने बताया है कि बारिश होने के बाद बेसमेंट में लगातार पानी भर जाता था, कोचिंग को कुछ समय के लिए बंद कर दिया जाता था। इसको ठीक कराने के लिए छात्रों ने पूर्व में कई बार कोचिंग संचालकों को बताया था, लेकिन कई बार कहने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। अंतत- इस लापरवाही की कीमत तीन बच्चों को अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। लोगों को इस बात पर भी आश्चर्य हो रहा है कि जब पानी भर रहा था, सीढ़ी बनी हुई लाइब्रेरी से बच्चे बाहर क्यों नहीं निकल पाए? छात्रों ने ही इसका कारण भी बताया है। छात्रों के अनुसार, एक ही निकास द्वार होने के कारण अचानक बाहर निकलने में बच्चों में भगदड़ सी मच गई थी। पानी तेजी से आ रहा था, लेकिन पानी इतना गंदा और बदबूदार था कि बच्चों को उसमें कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था। कहा जा रहा है कि नाले की एक दीवार के टूट जाने से नाले का गंदा पानी भी बहुत तेजी से कोचिंग के बेसमेंट में घुसने लगा जिससे स्थिति बेहद बुरी हो गई और बच्चे फंस गए। इस तरह के कई मामले पहले भी सुर्खियों में आए हैं। इनमें से ज्यादातर मामलों में भ्रष्टाचार और लापरवाही सबसे बड़ा कारण होती है। किसी घटना के बाद आरोपियों पर गंभीर कार्रवाई न होने के कारण इसी तरह का भ्रष्टाचार चलता रहता है और लोगों की जान जाती रहती है। यह तो देश की राजधानी का हाल है। देश के छोटे-बड़े इलाकों की क्या स्थिति होगी, इसका अंदाज लगाना मुश्किल नहीं है। ऐसे मामलों पर उच्च अदालतों को स्वत- संज्ञान लेकर दोषियों को कड़ा दंड देना चाहिए, तभी इस तरह की स्थिति पर लगाम लगेगी। इस तरह की अनेक घटनाएं राजधानी दिल्ली में पहले भी घट चुकी हैं। दिल्ली की अनाज मंडी में एक फैक्ट्री में आग लगने से लगभग 43 श्रमिकों की मौत दम घुटने से हो गई थी। पता चला था कि फैक्ट्री से बाहर निकलने का कोई वैकल्पिक रास्ता ही नहीं था। करोल बाग के ही एक होटल में आग लगने से 17 नागरिकों की दर्दनाक मौत हो गई थी। कोई वैकल्पिक मार्ग न होने से सभी लोग आग में फंस गए। विवेक विहार के एक नर्सिंग होम को केवल पांच बच्चों के नर्सिंग होम चलाने का लाइसेंस मिला था, लेकिन अप्रशिक्षित लोगों के द्वारा वहां एक दर्जन बच्चों की देखरेख की जा रही थी। अंतत- 25 मई 2024 को आग लगने की एक घटना में सात नवजात बच्चों की दर्दनाक मौत हो गई। हर दुर्घटना में लापरवाही और भ्रष्टाचार का घातक घालमेल निर्दोष लोगों को जान ले रहा है। लेकिन न लापरवाही पर लगाम लग रही है, न भ्रष्टाचार पर, और इसलिए इस तरह की घटनाएं अब भी लगातार घट रही हैं। लगातार कुछ दिनों के अंतराल पर घट रही इस तरह की घटनाओं में लोगों की जान जा रही है। दिल्ली की हाल की घटना को केवल दुर्घटना नहीं कहा जा सकता। यह भयानक लापरवाही है, इसके लिए जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों पर हत्या का मामला दर्ज करना चाहिए। सवाल है कि कोचिंग सेंटर में किसी आपात स्थिति में निकलने के लिए कोई वैकल्पिक रास्ता क्यों नहीं था? इसका जवाब दिए बिना इस तरह की घटनाओं को रोका नहीं जा सकता।

बाघों ने चुन लिया प्रकृति का सुंदर स्थान मध्यप्रदेश

अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस

29 जुलाई अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश दुनिया को बता सकता है कि मध्यप्रदेश के लोगों को अपने बाघों पर अभिमान है। मध्यप्रदेश में बाघों की आबादी 526 से बढ़कर 785 पहुंच गई है। यह देश में सर्वाधिक है। प्रदेश में चार-पांच सालों में 259 बाघ बढ़े हैं। यह वृद्धि 2010 में कुल आबादी 257 से भी ज्यादा है।

पृथ्वी का सबसे सुंदर प्राणी बाघ है और बाघों का मध्यप्रदेश में डेरा है। इस बात पर मध्यप्रदेश के लोगों को गर्व है। ठीक उसी प्रकार जैसे भारत देश को बाघों की 3682 संख्या पर गर्व है। यह दुनिया में बाघों की कुल संख्या का 75 प्रतिशत हैं। मध्यप्रदेश के लिए सबसे खुशी की बात यह है कि यहां टाइगर रिजर्व के बाहर भी बाघों की संख्या बढ़ रही है। 29 जुलाई अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश दुनिया को बता सकता है कि मध्यप्रदेश के लोगों को अपने बाघों पर अभिमान है।

मध्यप्रदेश में बाघों की आबादी 526 से बढ़कर 785 पहुंच गई है। यह देश में सर्वाधिक है। प्रदेश में चार-पांच सालों में 259 बाघ बढ़े हैं। यह वृद्धि 2010 में कुल आबादी 257 से भी ज्यादा है।

वन विभाग के अथक प्रयासों और स्थानीय लोगों के सहयोग से जंगल का राजा सुरक्षित है। सभी मिलकर यही संकल्प लें कि भावी पीढ़ी के लिए प्रकृति का बेहतर संरक्षण करें और एक सहृदय भद्र पुरुष के रूप में बाघों के परिवार को फलने फूलने का अनुकूल वातावरण बनाने में सहयोग करें। बाघों की पुनर्स्थापना का काम एक अत्यंत कठिन काम था, जो मध्यप्रदेश ने दिन-रात की मेहनत से कर दिखाया।

बाघों की गणना हर 4 साल में एक बार होती है। वर्ष 2006 से बाघों की संख्या का आंकड़ा देखें तो वर्ष 2010 में बाघों की संख्या 257 तक हो गई थी। इसे बढ़ाने के लिए बाघों के उच्च स्तरीय संरक्षण और संवदेनशील प्रयासों की आवश्यकता थी। मध्यप्रदेश को बाघ प्रदेश बनाने की कड़ी मेहनत शुरू हुई।

मानव और वन्यप्राणी संघर्ष के प्रभावी प्रबंधन के लिए 16 रीजनल रेस्क्यू स्क्वॉड और हर जिले में जिला स्तरीय रेस्क्यू स्क्वॉड बनाए गए। वन्यप्राणी अपराधों की जांच के लिए वन्यप्राणी अपराध की खोज में विशेषज्ञ 16 श्वान दलों का गठन किया गया। अनाथ बाघ शावकों की रिवाल्विंग की गई है। विभिन्न प्रजातियां विशेष रूप से चीतल, गौर और बारहसिंगा का उन स्थानों पर पुनर्स्थापना किया गया, जहां वे संख्या में कम थे या स्थानीय तौर पर विलुप्त जैसे हो गए थे। राज्य स्तरीय स्ट्राइक फोर्स ने पिछले आठ वर्षों में वन्यप्राणी अपराध करने वाले 550 अपराधियों को 14 राज्यों से गिरफ्तार किया गया। इसमें से तीन विदेशी थे।

संरक्षित क्षेत्र के बाहर वन्यप्राणी प्रबंधन के लिए बजट की व्यवस्था की गई। वन्य प्राणी पर्यटन से होने वाली आय की स्थानीय समुदाय के साथ साझेदारी की गई। इन सब प्रयासों के चलते बाघ संरक्षण के प्रयासों को मजबूती मिली। मध्यप्रदेश के बाघ प्रदेश बनने के चार मुख्य पहलू है। पहला गांवो का वैज्ञानिक विस्थापन। वर्ष 2010 से 2022 तक टाइगर रिजर्व में बसे छोटे-छोटे 200 गांव को विस्थापित किया गया। सर्वाधिक 75 गांव सतपुड़ा टाइगर रिजर्व से बाहर किए गए। दूसरा है ट्रांसलोकेशन। कान्हा के बारहसिंगा, बायसन और वाइल्ड बोर का ट्रांसलोकेशन कर दूसरे टाइगर रिजर्व में उन्हें बसाया गया। इससे बाघ के लिए भोजन आधार बढ़ा। तीसरा है हैबिटेट विकास। जंगल के बीच में जो गांव और खेत खाली हुए वहां घास के मैदान और तालाब विकसित किए गए जिससे शाकाहारी जानवरो की संख्या बढ़ी और बाघ के लिए आहार भी उपलब्ध हुआ। सुरक्षा व्यवस्था में अभूतपूर्व बदलाव हुआ। पन्ना टाईगर रिजर्व में ड्रोन से सर्वेक्षण और निगरानी रखी गई। वाइल्डलाइफ क्राइम कंट्रोल कर अवैध शिकार को पूरी तरह से रोका गया। क्राइम इन्वेस्टीगेशन और पेट्रोलिंग में तकनीकी का इस्तेमाल बढ़ाया गया। इसका सबसे अच्छा उदाहरण पन्ना टाइगर रिजर्व है जिसका अपना ड्रोन स्क्वाड है। हर महीने इसके संचालन की मासिक कार्ययोजना तैयार की जाती है। इससे वन्य जीवों की लोकेशन खोजने, उनके बचाव करने, जंगल की आग का स्रोत पता लगाने और उसके प्रभाव की तत्काल जानकारी जुटाने, संभावित मानव और पशु संघर्ष के खतरे को टालने, वन्य जीव संरक्षण कानून का पालन करने में मदद मिल रही है।

वन्यजीव सुरक्षा के कारण तेंदुओं की संख्या में भी मध्यप्रदेश देश में सबसे आगे है। देश में 12 हजार 852 तेंदुए हैं। अकेले मध्यप्रदेश में यह संख्या 4100 से ज्यादा है। देश में तेंदुओं की आबादी औसतन 60त्न बढ़ी है जबकि प्रदेश में यह 80त्न है। देश में तेंदुओं की संख्या का 25त्न अकेले मध्यप्रदेश में है। वर्ष 2010 में सेंट पीटर्सबर्ग बाघ सम्मेलन में बाघ की आबादी वाले 13 देशों ने वादा किया था कि वर्ष 2022 तक वे बाघों की आबादी दोगुनी कर देंगे। इस लक्ष्य को प्राप्त करने में मध्यप्रदेश में बाघों के प्रबंधन में निरंतरता एवं उत्तरोत्तर सुधार हुए। बाघों की संख्या में 33त्न की वृद्धि चक्रों के बीच अब तक की सबसे अधिक दर्ज की गई है जो 2006 से 2010 के बीच 21त्न और 2010 और 2014 के बीच 30त्न थी। बाघों की संख्या में वृद्धि, 2006 के बाद से बाघों की औसत वार्षिक वृद्धि दर के अनुरूप थी। मध्यप्रदेश में 526 बाघों की सबसे अधिक संख्या है। इसके बाद कर्नाटक में 524 बाघों की संख्या 442 बाघों के साथ उत्तराखंड तीसरे नंबर पर था। मध्यप्रदेश के लिए गर्व का विषय है कि वर्ष 2022 की समय-सीमा से काफी पहले यह उपलब्धि हासिल कर ली है।

प्रदेश में बाघों की संख्या बढ़ाने में राष्ट्रीय उदयानों के बेहतर प्रबंधन की मुख्य भूमिका है। राज्य शासन की सहायता से 50 से अधिक गाँवों का विस्थापन किया जाकर बहुत बड़ा भू-भाग जैविक दबाव से मुक्त कराया गया है। संरक्षित क्षेत्रों से गाँवों के विस्थापन के फलस्वरूप वन्य-प्राणियों के रहवास क्षेत्र का विस्तार हुआ है। कान्हा, पेंच, और कूनो पालपुर के कोर क्षेत्र से सभी गांवों को विस्थापित किया जा चुका है। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व का 90 प्रतिशत से अधिक कोर क्षेत्र भी जैविक दबाव से मुक्त हो चुका है। विस्थापन के बाद घास विशेषज्ञों की मदद लेकर स्थानीय प्रजातियों के घास के मैदान विकसित किये जा रहे हैं इससे शाकाहारी वन्य-प्राणियों के लिये वर्ष भर चारा उपलब्ध होता रहे। इसके अतिरिक्त समस्त संरक्षित क्षेत्रों में रहवास विकास कार्यक्रम चलाया जा रहा है। मध्यप्रदेश ने टाइगर राज्य का दर्जा हासिल करने के साथ ही राष्ट्रीय उद्यानों और संरक्षित क्षेत्रों के प्रभावी प्रबंधन में भी देश में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। सतपुडा टाइगर रिजर्व को यूनेस्को की विश्व धरोहर की संभावित सूची में शामिल किया गया है।

भारत सरकार की टाइगर रिजर्व के प्रबंधन की प्रभावशीलता मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुसार पेंच टाइगर रिजर्व ने देश में सर्वोच्च रैंक हासिल की है। बांधवगढ़, कान्हा, संजय और सतपुड़ा टाइगर रिजर्व को सर्वश्रेष्ठ प्रबंधन वाले टाइगर रिजर्व माना गया है। इन राष्ट्रीय उद्यानों में अनुपम प्रबंधन योजनाओं और नवाचारी तरीकों को अपनाया गया है।

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व बाघ दिवस की पूर्व संध्या पर कहा है कि भारत में बाघों के संरक्षण के लिए इस समय अभूतपूर्व प्रयास चल रहे हैं और देश में प्रति वर्ष इस वन्य प्राणी की संख्या बढ़ रही है। पीएम मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो संबोधन- मन की बात में कहा कि विश्व में 70 प्रतिशत बाघ भारत में पाए जाते हैं और और यह प्राणी भारतीय संस्कृति का अभिन्न हिस्सा रहा है और देश में वनों के आस पास के गावों में लोगों को पता रहता है कि बाघों के साथ ताल मेल बिठा कर कैसे रहना है। उन्होंने इस संदर्भ में रणथम्भौर (राजस्थान), महाराष्ट्र का तादोबा-अंधेरीबाघ अभयारण्य, आंध्रप्रदेश में नल्लामलाई की पहाड़ियों पर रहने वाली चेन्चू जनजाति और पीलीभीत में चल रहे बाघ मित्र कार्यक्रम का विशेष रूप से उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने कहा, कल दुनिया भर में बाघ दिवस मनाया जाएगा। भारत में तो बाघ, हमारी संस्कृति का अभिन्न हिस्सा रहा है। हम सब बाघों से जुड़े किस्से-कहानियां सुनते हुए ही बड़े हुए हैं। जंगल के आसपास के गांव में तो हर किसी को पता होता है कि बाघ के साथ तालमेल बिठाकर कैसे रहना है। हमारे देश में ऐसे कई गांव हैं, जहां इंसान और बाघ के बीच कभी टकराव की स्थिति नहीं आती। प्रधानमंत्री ने कहा, मुझे खुशी है कि जन-भागीदारी बाघों के संरक्षण में बहुत काम आ रही है। ऐसे प्रयासों की वजह से ही भारत में बाघों की आबादी हर साल बढ़ रही है। आपको ये जानकर खुशी और गर्व का अनुभव होगा कि दुनियाभर में जितने बाघ हैं, उनमें से 70 प्रतिशत बाघ हमारे देश में हैं और देश के अलग-अलग हिस्सों में कई बाघ अभयारण्य हैं। पीएम मोदी ने कहा कि भारत में जहां भी बाघ और मानव में टकराव की स्थिति आती है, वहां बाघों के संरक्षण के लिए अभूतपूर्व प्रयास हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस काम में जन भागीदारी प्रोत्साहित की जाती है और राजस्थान के रणथंभौर जिले में कुल्हाड़ी बंद पंचायत अभियान इसका एक नमूना है।

श्रावण के दूसरे सोमवार पर अर्धनारीश्वर स्वरूप मे शृंगारित हुए बाबा महाकाल, फिर रमाई भस्म

श्रावण मास के दूसरे सोमवार पर बाबा महाकाल आधा घंटा पहले भक्तों को दर्शन देने के लिए जागे, बल्कि उनका अर्धनारीश्वर शृंगार कर उन्हें भस्म भी रमाई गई। इसका लाभ भस्म आरती में बैठे श्रद्धालुओं के साथ ही चलित भस्म आरती के रूप मे हजारों की संख्या में श्रद्धालुजनों ने लिया। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर के पुजारी पंडित आशीष गुरु ने जानकारी देते हुए बताया कि श्रावण कृष्ण पक्ष की नवमी पर सोमवार को सबसे पहले शुद्ध जल से स्नान करवाया गया। इसके बाद भगवान का पंचामृत स्नान करवाने के साथ ही उन पर केसर युक्त जल अर्पित किया गया। अर्द्धनारिश्वर स्वरूप में बाबा महाकाल का विशेष शृंगार भी किया गया, जिसके बाद महानिर्वाणी अखाड़े की ओर से भस्म अर्पित की गई। इसके बाद पूरा मंदिर परिसर जय श्री महाकाल की गूंज गुंजायमान हो गया। आज के दिन की विशेष जानकारी देते हुए पंडित आशीष पुजारी ने बताया

कि सोमवार सुबह बाबा महाकाल का विशेष पूजन अर्चन करने के बाद उनसे राष्ट्र की सुख समृद्धि की कामना की गई। पंडित आशीष पुजारी ने बताया कि सोमवार शाम बाबा महाकाल अपनी प्रजा को दर्शन देने के लिए सवारी के रूप में नगर भ्रमण पर निकलेंगे। इसमें पालकी में चंद्रमोलेश्वर तो हाथी पर मनमहेश स्वरूप के दर्शन बाबा महाकाल के भक्तों को होंगे। शाम चार बजे पहले मंदिर में पूजन होगा, फिर बाबा भ्रमण पर निकलेंगे। भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ी उमेश यादव आज सुबह अपनी धर्मपत्नी तान्या वाधवा के साथ बाबा महाकाल की भस्म आरती में शामिल होने के लिए श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंचे। जहां आपने अलसुबह मंदिर में होने वाली बाबा महाकाल की भस्म आरती के दर्शन किए। बाबा महाकाल की भस्म आरती करने के बाद गवान का पूजन अर्चन कर आशीर्वाद भी मांगा। श्री महाकालेश्वर मंदिर के पुजारी पंडित आशीष गुरु ने बताया कि भारतीय क्रिकेटर उमेश यादव बाबा महाकाल के अनन्य भक्त हैं, जो कि पूर्व में भी धर्मपत्नी तान्या वाधवा के साथ भगवान के दर्शनों का लाभ ले चुके हैं। बाबा महाकाल के दर्शन करने पहुंचे क्रिकेटर उमेश यादव ने मीडिया से कहा कि मैं बाबा महाकाल का कोई नया भक्त नहीं हुं। जब बाबा महाकाल का बुलावा होता है तो मैं यहां दौड़ा चला आता हूं। आपने बताया कि शुरुआत से ही मुझे बाबा महाकाल की आरती और यहां की ऊर्जा काफी आकर्षित करती है।

आस्था के मुताबिक खाना-पीना सबका दायित्व शासकीय व्यवस्था के साथ सभ्य समाज भी जवाबदेह

गत शुक्रवार (26 जुलाई) को सर्वोच्च न्यायालय ने कांवड़ मार्ग पर नामपट्टिका संबंधित आदेश पर रोक को आगामी पांच अगस्त तक के लिए बढ़ा दिया है। इस मुद्दे के तीन पहलू सामने आए हैं।?पहला-यह उपभोक्ताओं के जानने के अधिकार से जुड़ा है। दूसरा-कानून-व्यवस्था को बनाए रखना राज्य का दायित्व है और वह भंग न हो, उसकी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की है। तीसरा-यह कोई नई व्यवस्था नहीं है, अपितु पहले से स्थापित कानून-नियम के अनुरूप है। परंतु राजनीति से प्रेरित बहस ने इस विषय को 'हिंदू-मुसलमान' बना दिया। यह दिलचस्प है कि इस निर्णय का मुखर विरोध करने वाला राजनीतिक वर्ग वही है, जो लोकसभा चुनाव में बारंबार प्रचार कर रहा था कि सत्तासीन होने पर घर-घर जाकर लोगों से नाम के साथ उनकी जाति भी पूछेगा। प्रश्न यह है कि देश के विभिन्न मतावलंबियों को अपनी आस्था के अनुरूप भोजन चुनने का अधिकार है या नहीं? यहूदी समाज में 'कोशर' की मान्यता है। इसमें खाद्य उत्पादों को लेकर मजहबी नियम है। इनके समुदाय में केवल खाना ही नहीं, अपितु भोजन का स्थान भी 'कोशर' होना चाहिए। इसी तरह, इस्लाम में 'हलाल' की अवधारणा है, जिसका अर्थ वैध है। मुसलमानों के लिए शूकर का मांस 'हराम' है। यही कारण है कि जब मुस्लिम समाज में ईद या फिर मुहर्रम का पर्व होता है, तो उनकी मजहबी आस्था का सम्मान करते हुए यातायात परिचालन?तक में अस्थायी तौर पर उचित परिवर्तन किए जाते हैं। हिंदू समाज में कांवड़ यात्रा कई किलोमीटर चलने वाली, एक कठिन तीर्थयात्रा है। कुछ कांवड़िए 'डाक कांवड़' भी लाते हैं। इसमें गंगाजल से भरे कांवड़ को बिना जमीन पर रखे भगवान शिव की मूर्ति या शिवलिंग को अर्पित करने और 'सात्विक भोजन' ग्रहण करने की मान्यता है। करोड़ों हिंदू पवित्र दिनों में तामसिक खाद्य वस्तुओं, जैसे प्याज-लहसुन आदि के साथ साधारण नमक तक का सेवन भी नहीं करते हैं। इतना ही नहीं, नवरात्र के पवित्र दिनों में यदि कोई गैर-मजहबी कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है, तब चाहे नवरात्र के व्रत रखने वाले सीमित हों, उनके खाने-पीने के लिए अलग से विशेष व्यवस्था की जाती है। जिस दिशानिर्देश पर विवाद हुआ, उसमें कहीं भी यह नहीं लिखा था कि कोई गैर-हिंदू कांवड़ यात्रा के मार्गों पर अपनी दुकान-ढाबा-ठेला आदि (मांस विक्रेताओं को छोड़कर) नहीं लगा सकता। इस आदेश के अनुसार, प्रत्येक दुकानदार-ढाबा संचालक, चाहे वह किसी भी मजहब का हो, उसे अपने वास्तविक नाम की पट्टी लगानी थी। इस शासनादेश की एक पृष्ठभूमि भी है। कई गैर-हिंदू अपनी वास्तविक पहचान छिपाकर देवी-देवताओं आदि के नामों पर खाद्य-पेय दुकानों, ढाबों का संचालन करते हैं। आखिर अपनी असली पहचान छिपाने और गलत पहचान बताने के पीछे क्या मंशा हो सकती है? यहां बात केवल उपभोक्ता को धोखा देने तक सीमित नहीं है। इस छल के खुलने पर तीर्थयात्रियों की आस्था पर कुठाराघात की बात उठने पर छोटी-सी घटना भी दंगे का रूप ले सकती है। इस आशंका को निरस्त करने तथा कानून-व्यवस्था और सांप्रदायिक सौहार्द को बनाए रखने हेतु दुकानों-ढाबों आदि पर नामपट्टिका लगाने का आदेश बताया गया था। उपभोक्ताओं के अधिकार की रक्षा करने हेतु देश में पहले से विनियमन हैं। वर्ष 2005 से जारी 'जागो ग्राहक जागो' रूपी केंद्रीय उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम के साथ वर्ष 2006 में पारित 'खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम' और वर्ष 2011 में लागू %खाद्य सुरक्षा मानक प्राधिकरण से उपभोक्ताओं के जानने के अधिकार की रक्षा की जा रही है। इन कानूनों के अनुसार, खाद्य परिसरों में सभी प्रतिष्ठानों को लाइसेंस/पंजीकरण संख्या प्रदर्शित करना अनिवार्य है, जिसमें धारक के नाम का भी उल्लेख होता है। रेलवे स्टेशनों पर पंजीकृत विक्रेता और टैक्सी-ऑटो के मालिक-चालक अपना विवरण प्रदर्शित करते हैं।

जिलाधिकारी सहारनपुर ने की अपील, अभिभावक नाबालिग बच्चों को न चलाने दें वाहन

यातायात के नियमों का उल्लंघन करने वालों पर की जाए विधिक कार्यवाही :- जिलाधिकारी मनीष बंसल

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, जिलाधिकारी सहारनपुर मनीष बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति एवं जिला विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति की बैठक आहूत की गई। बैठक में स्कूली वाहनों की फिटनेस, स्कूल वाहन चालकों के लाइसेंस एवं चरित्र सत्यापन, 18 वर्ष से कम आयु के विद्यार्थियों द्वारा दो पहिया एवं चार पहिया वाहनों के चलाने पर प्रतिबंध, रोड सेफ्टी क्लब के गठन, विद्यालयों में अनाधिकृत बसों के संचालन, स्कूल संचालकों द्वारा संचालित वाहनों को अनुबंध न किए जाने, आवश्यकतानुसार साइनेज लगाने के साथ ही सड़क मार्गों पर दुर्घटनाओं को न्यून करने के लिए सड़क सुरक्षा के मानकों के तहत सभी प्रकार के आवश्यक कदम उठाए जाने के सबंध में विचार विमर्श किया गया।डीएम मनीष बंसल ने कहा कि समय-समय पर सड़क सुरक्षा अभियान के साथ अनाधिकृत विद्यालयी वाहनों के संचालन के विरुद्ध अभियान एवं जागरूकता कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं फिर भी देखने मे आ रहा है कि अनाधिकृत विद्यालयी वाहनों का संचालन अनवरत जारी है। उन्होंने परमिट प्राप्त ऐसे विद्यालयी वाहनों, जिनके पंजीकरण, फिटनेस, बीमा की वैधता अवधि समाप्त हो गई है और फिर भी संचालन किया जा रहा है। ऐसे विद्यालयी वाहनों के विरुद्ध अभियान चलाकर वाहन स्वामियों, विद्यालय प्रबंधकों एवं प्रधानाचार्यों के साथ बैठक कर अनाधिकृत रुप से विद्यालयी वाहनों का संचालन न किये जाने के सबंध में जागरूक करते हुए सड़क सुरक्षा नियमों प्राविधानों के तहत नोटिस निर्गत करते हुए कार्यवाही की जाए। डीएम मनीष बंसल ने कहा कि वह बच्चों के जीवन से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने एआरटीओ को निर्देशित किया कि 05 अगस्त तक नियमानुसार वैध वाहनों का संचालन सुनिश्चित कराया जाए। सड़क सुरक्षा के बिंदुओं पर समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी मनीष बंसल ने एनएचएआई के अधिकारियों को निर्देशित किया कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर सड़क सुरक्षा के मानकों के तहत निर्धारित कार्यों को पूरा कराया जाए।

जिलाधिकारी मनीष बंसल ने निर्देश दिये कि जनपद में दुर्घटनाग्रस्त क्षेत्रों में ब्लैक स्पॉट को चिन्हित कर संकेतक लगाएं और ब्लैक स्पॉट को दूर करने के कार्य में तेजी लाई जाए। उन्होंने कहा कि यातायात के नियमों का उल्लंघन करने वालों पर विधिक कार्यवाही की जाए। हाईवे एवं सडक किनारे स्थापित विद्यालयों के बाहर यातायात संबंधी संकेतक लगाने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी मनीष बंसल द्वारा यह भी निर्देश दिए गए की सभी स्कूल अपने स्तर पर विद्यालय यान समिति का गठन कर ले जिस हेतु जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं जिला विद्यालय निरीक्षक को नोडल नामित करते हुए यह निर्देश दिए गए कि उपरोक्त कार्यवाही एक सप्ताह के अंदर कर ली जाए। पांच सबसे ज्यादा वाहन वाले विद्यालयों के चालकों के स्वास्थ्य जांच हेतु मुख्य चिकित्सा अधिकारी को कैंप लगाने हेतु निर्देशित किया गया। नाबालिग छात्रों द्वारा वाहन चलाने को लेकर जिलाधिकारी द्वारा कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए एवं अभिभावकों से भी अपील की गई है कि वह अपने नाबालिग बच्चों को वाहन न चलाने दें। जिलाधिकारी मनीष बंसल द्वारा जनपद में सड़क दुर्घटनाओं, मृतको व घायलों की संख्या में कमी लाए जाने हेतु जागरूकता अभियान चलाकर लोगो को यातायात के नियमों के प्रति जागरूक किये जाने हेतु निर्देश दिये गये हैं। नगर निगम सीमा में ट्रैफिक प्लान बनाकर अनफिट एवं निष्प्रयोज्य वाहनों को चिन्हित कराये जाने हेतु निर्देश दिये गये। हाईवे पर यातायात के नियमों का उल्लंघन करने वाले के विरूद्ध अभियान चलाकर सघन कार्यवाही की जाये।

इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रोहित सिंह सजवान, डीएफओ श्वेता सैन, पुलिस अधीक्षक यातायात सिद्धार्थ वर्मा, एआरटीओ एमपी सिंह, अधिशासी अभियंता लोनिवि धर्मेंद्र सिंह, शिक्षा, विद्युत, स्वास्थ्य, नगर निगम, पुलिस के अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन ने कहा

ग्राम पंचायत सचिव जन सरोकार के स्वच्छकार सर्वेक्षण को पूरी गम्भीरता के साथ करें

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन ने विकास भवन सभागार में आयोजित एक दिवसीय स्वच्छकार सर्वेक्षण तैयारी कार्यशाला में कहा कि हाथ से मैला उठाने वाले की पृथा से जुडे परिवारों के स्वच्छकार सर्वेक्षण में सचिव ग्राम पंचायतों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने जनपद के अन्दर माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के क्रम में किये जाने वाले स्वच्छकार सर्वेक्षण की तैयारी हेतु आयोजित कार्यशाला के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सम्बन्धित सचिव ग्राम पंचायत को निर्देशित किया कि जन सरोकार के स्वच्छकार सर्वेक्षण को पूरी गम्भीरता के साथ करें। जिला पंचायत राज अधिकारी आलोक शर्मा ने स्वच्छकार सर्वेक्षण से जुडी किसी भी सूचना को सार्वजनिक करने तथा माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के क्रम में नियमानुसार सर्वेक्षण कार्य कर ग्राम पंचायत के स्तर पर सूचना एकत्रित कर विकास खण्ड स्तर पर सात दिन के भीतर जमा कराने की जानकारी दी। सहायक प्रबंधक वित्त विकास निगम समाज कल्याण बसंत कुमार द्वारा माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के क्रम में किए जाने वाले स्वच्छकार सर्वेक्षण के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गयी तथा परिवार के स्तर पर भरे जाने वाले प्रपत्र के बारे में सचिव ग्राम पंचायत गणों को प्रशिक्षित किया। बसंत कुमार द्वारा यह भी बताया गया कि ग्राम पंचायत के स्तर पर किए गए सर्वेक्षण की पूरी सूचना विकास खण्ड पर जमा कराई जाएगी तदोपरान्त सत्यापन की कार्यवाही की जायगी। जनपद स्तर पर समेकित सूचना का प्रकाशन करते हुए सर्वेक्षण कार्य को पूर्ण कराया जाएगा। कार्यशाला में जिला समाज कल्याण अधिकारी विकास सहित समस्त सहायक विकास अधिकारी पंचायत एवं सचिव ग्राम पंचायत उपस्थित रहे।

जीवन ज्योति नर्सिंग होम के तत्वाधान में मंगलौर रोड पर कांवड़ सेवा शिविर मेडिकल कैंप का हुआ आयोजन

सीओ देवबंद अशोक सिसोदिया ने फीता काटकर किया उद्घाटन

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर । देवबंद, जीवन ज्योति नर्सिंग होम के तत्वाधान में मंगलौर रोड पर आयोजित हुए कांवड़ सेवा शिविर मेडिकल कैंप का उद्घाटन सीओ देवबंद अशोक सिसोदिया ने फीता काटकर किया। कांवड़ सेवा शिविर मेडिकल कैंप के उद्घाटन अवसर पर सीओ देवबंद अशोक कुमार सिसौदिया ने कहा कि डॉक्टर मनुष्य को दूसरा जीवन देते है और यह एक समाजसेवा का कार्य है। उन्होंने कहा कि यह शिविर पुण्य का काम कर रहा है। शिविर को जहाँ भी प्रशासनिक मदद की जरूरत होंगी प्रशासन वहां हर सम्भव मदद करने का कार्य करेगा। देवबंद कोतवाली प्रभारी संजीव कुमार ने कहा कि कांवड़ सेवा शिविर मेडिकल कैंप लगाना बडा ही सराहनीय कार्य है। इस दौरान सीओ देवबंद अशोक सिसौदिया, देवबंद कोतवाली प्रभारी संजीव कुमार, एसआई अजय कुमार, चौकी इंचार्ज संजय यादव का डा. आशु गौर, पूर्व सभासद सिकंदर अली, हसनैन प्रधान ने शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर सचिन कुमार, सरित करणवाल, शुभम चौ., सन्नी कर्णवाल, डा. सुरेन्द्र, अजय चौधरी, सदाकत प्रधान, खालिद गौड़, सरफराज गौड़, नियाज़ राना, इफ्तखार प्रधान एवं सिकंदर अली आदि मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने की अपील, वाहन चालक अच्छी गुणवत्ता वाला हेलमेट पहनें

नकली आईएसआई मार्क का उपयोग करने वालों एवं विक्रेताओं के विरूद्ध होगी कडी कार्रवाई

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, अपर सचिव उपभोक्ता मामले विभाग भारत सरकार भरत खेडा के जिलाधिकारी को संबोधित पत्र जिसमें उपभोक्ताओं को जागो ग्राहक जागो अभियान के तहत हेलमेट के संबंध में जागरूक करने की बात कही गयी। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने कहा कि यह देखा गया है कि अनिवार्य बीआईएस प्रमाणीकरण के बिना घटिया गुणवत्ता वाले हेलमेट सड़क किनारे बेचे जा रहे हैं, जिसके कारण सड़क दुर्घटनाओं में कई लोगों की जान चली जाती है। उन्होंने कहा कि उन निर्माताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी जो बीआईएस लाइसेंस के बिना काम कर रहे हैं या नकली आईएसआई मार्क का उपयोग कर रहे हैं। डीएम मनीष बंसल ने कहा कि ऐसे खुदरा विक्रेताओं के विरूद्ध भी कडी कार्यवाही की जाएगी जो कानून का उल्लंघन कर नकली आईएसआई मार्क के हेलमेट बेच रहे है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस मामले में व्यक्तिगत रुचि लें और गुणवत्ता नियंत्रण आदेश के उचित कार्यान्वयन सुनिश्चित करें। इसके लिए ऐसे निर्माताओं और खुदरा विक्रेताओं के खिलाफ एक विशेष अभियान शुरू किया जाए। जिन विनिर्माताओं के पास बीआईएस का लाइसेंस है वे हेलमेट निर्माण के लिए केयर ऐप या https://www. services.bis.gov.in/php/BIS_w.®/bis-connect/knowyourstandards/Indian_standards/is details/ पर सत्यापन कर सकते है। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने कहा कि सड़क पर गाड़ी चलाते समय जीवन की सुरक्षा के लिए हेलमेट पहनना बेहद महत्वपूर्ण है। इसी के साथ यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि पहना जाने वाला हेलमेट अच्छी गुणवत्ता का हो अन्यथा इसे पहनने का मूल उद्देश्य ही विफल हो जाता है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने हेलमेट पर बीआईएस मानकों को अनिवार्य करते हुए आदेश जारी किया है जिसके तहत प्रमाणीकरण के बिना निर्मित या बेचा गया कोई भी हेलमेट भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 2016 के तहत स्पष्ट उल्लंघन और अपराध है।

आदिवासी परिवार को दबंगों ने धमकाकर घर गिराया

न्याय की गुहार लेकर एसपी कार्यालय पहुंचे

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, कटनी के स्लीमनाबाद थाना क्षेत्र कौड़िया ग्राम के निवासी आदिवासी परिवार को कुछ दबंगों द्वारा बंदूक से डरा धमका घर को खाली करा पूरे घर को गिरा दिया। जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। वही पीड़ित आदिवासी परिवार थाने में इस पूरे घटना क्रम की रिपोर्ट न लिखे जाने पर न्याय की गुहार लगाने एसपी कार्यालय पहुंचे।
सोशल मीडिया में वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है की आदिवासी अपने ही घर को गिरते देख रहे है और घर गिराने वाले दबंग आदिवासी परिवार को डरा धमका रहे है। पीड़ित आदिवासी राजा राम कोल ने बताया की वह अपने पूरे परिवार के साथ स्लीमनाबाद थाना क्षेत्र ग्राम कौड़िया में कई सालो से अपनी जमीन पर घर बना कर रह रहा है और कुछ दिनों से ग्राम के ही दबंग शक्ति सिंह अपने कुछ गुड्डो के साथ डरा धमका कर घर खाली कराने की धमकी देते आ रहे है और कल अचानक शक्ति सिंह और एक पांडे नाम के व्यक्ति उनके घर अचानक कुछ गुड्डों के साथ पहुंचे और बंदूक दिखा पूरे परिवार की डरा कर उन्हें घर से बाहर निकाला और उनके घर को पूरी तरह गिरा कर चले गए। वही पीड़ित आदिवासी राजा राम कोल ने यह भी बताया की वे लोग अपनी जमीन पर काबिज न हो उनकी जमीन पर जबरन कब्जा करना चाह रहे थे और उनका हाई कोर्ट में केस भी चल रहा था जो वह जीत भी गए लेकिन जबरन शक्ति सिंह द्वारा पाने कुछ साथियों के साथ बंदूक की नोक पर घर खाली कराया और पूरे घर को गिरा दिया जिसकी वह रिपोर्ट में दर्ज कराने स्लीमनाबाद थाने भी गए लेकिन उनकी थाने में रिपोर्ट नही लिखी गई जिसके चलते उन्हें मजबूरन एसपी साहब के कार्यालय का दरवाजा खटखटाना पड़ा।

शासकीय पशु प्रजनन प्रक्षेत्र, कार्यलय का भगवान भरोसे हो रहा है संचालन।

गढ़ी क्षेत्र का मामला चपरासी व कर्मचारी के भरोसे चल रहा कामकाज

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ
बालाघाट, बैहर तहसील अन्तर्गत आने वाले गढ़ी क्षेत्र में स्थित शासकीय पशु प्रजनन प्रक्षेत्र के कार्यलय में विभाग के उच्च स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा निरीक्षण नहीं होने के चलते तथा वहां पर पदस्थ कर्मचारियों व प्रभारी अधिकारीयों के अनोखे कामों के चर्चे इन दिनों जन चर्चे में हैं।मिली जानकारी अनुसार लगभग पांच वर्षों से अधिक समय से शासकीय पशु प्रजनन प्रक्षेत्र गढ़ी में प्रबंधक नहीं होने के कारण,प्रभारी प्रबंधक को ही प्रभार दिया गया है इस वजह से कार्यलय के काम काज पुरी तरह से प्रभावित हो चुके हैं,मिलने वाली सरकारी सुविधाएं शुन्य है,अक्सर प्रभारी प्रबंधक शासकीय पशु प्रजनन प्रक्षेत्र कार्यालय से नदारत रहते है।जिस वजह से ग्रामीणों को जानकारी समय पर नहीं मिल पा रही हैं,वहीं प्रभारी प्रबंधक पर भी लापरवाही के अनेक आरोप लग रहे है। ऐसी जानकारी मिल रही है कि शासकीय पशु प्रजनन प्रक्षेत्र कार्यालय पर चपरासी व काम करने वाले मजदूर के द्वारा ही कई वर्षों से संचालन किया जा रहा है।तथा इस शासकीय कार्यलय में पशुओं कि सही तरीके से देखभाल कर पशुओं को पौष्टिक आहार व चारा खिलाना होता है इसके ऐवज में शासन से वहां के अधिकारीयों व कर्मचारीयों को मोटी रकम पगार के रूप में शासन से हर माह मिलती है साथ ही पशुओं कि सही तरीके से देखभाल व पौष्टिक आहार तथा चारा के लिए अतिरिक्त लाखों रुपए कि राशि शासन से उपलब्ध करवाई जा रही है उस सरकारी राशि में भी इनकी नियत खराब हो रही है।इस कार्यलय में ना ही पशुओं को पौष्टिक आहार मिल रहा है ना ही चारा मिल रहा है।जिसकी जांच कि मांग लगातार उठ रही है तथा ग्रामीणों का कहना है कि यदि इस शासकीय कार्यलय कि एक बार अच्छी से जांच हो जाये तो कई खामियां सामने आ सकती है, शासकीय राशि में लाखों रुपए कि हेराफेरी कि गई है।

चपरासी व कर्मचारी के भरोसे चल रहे सरकारी काम-काज- विदित हो कि एक सरकारी कार्यलय को चपरासी व कर्मचारी के भरोसे छोड़ दिया गया है और अधिकारी अपने जिम्मेदारी से मुंह मोड़ रहे हैं क्योंकि अनेक प्रकार कि जिम्मेदारी इनके ऊपर रहती है शासकीय पशु प्रजनन प्रक्षेत्र गायों की देखभाल गाय को चारा खिलाना व पौष्टिक आहार देना एवं गायों की देखभाल करना गाय को स्वस्थ रखना व अनेक प्रकार की जिम्मेदारी निभानी पड़ती है,सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शासकीय पशु प्रजनन प्रक्षेत्र गढ़ी में कई कई महीनो से अनेक गाय अस्वस्थ बीमार रह रही है जिनका सही तरीके से उपचार नहीं होने के कारण पशु दुबले व कमजोर हो रहे है,तथा शासकीय पशु प्रजनन प्रक्षेत्र गढ़ी में दूध देने वाली गाय का सही देखभाल व पोस्टिक आहार नहीं देने के कारण गाय कमजोर व बीमार हो रहे हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शासकीय पशु प्रजनन प्रक्षेत्र में गढ़ी में गायों के द्वारा जो दूध होता है उसमें भी बड़े पैमाने में हेरा फेरी कर अपनी जेब भरने का कार्य किया जा रहा है। वहीं शासकीय पशु प्रजनन प्रक्षेत्र में आज से पांच साल पहले दूध की मात्रा ज्यादा होती थी अभी पदस्थ प्रभारी प्रबंधक की गैर जिम्मेदारी के कारण दूध की मात्रा में भी भारी कटौती हो रही है। प्रभारी प्रबंधक के द्वारा शासकीय पशु प्रजनन प्रक्षेत्र के कैंपस के अंदर बड़े पैमाने में धान की खेती करता है और पूरी धान की फसल को अपने घर में पहुंचता है जो जन चर्चा का विषय बना हुआ है। प्रभारी प्रबंधक उक्त कार्यलय में दो माह तीन माह में एक बार आता है । बाकी समय पशु प्रजनन प्रक्षेत्र कार्यालय गढ़ी चपरासी व मजदूरों के भरोसे संचालन हो रहा है।क्षेत्र की जागरूक जनता के द्वारा प्रशासन से लगातार मिडिया के माध्यम से मांग कर रहे है कि अति शीघ्र गैर जिम्मेदार प्रभारी प्रबंधक को हटाकर नए प्रबंधक को पदस्थ किया जावे।ताकि कार्यलय के कामकाज सही तरीके से संचालित हो सके और लापरवाह कर्मचारियों पर कार्यवाही हो सके।

दमोह के शासकीय एक्सीलेंस स्कूल में विद्यार्थियों के लिए करियर काउंसलिंग सत्र आयोजित

12वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए भविष्य को लेकर मार्गदर्शन

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ
दमोह, राष्ट्रीय रोजगार सेवा मध्य प्रदेश जिला रोजगार कार्यालय दमोह ने करियर काउंसलिंग योजना अंतर्गत शासकीय एक्सीलेंस स्कूल दमोह के 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों की कैरियर काउंसलिंग की और साथ में भविष्य से जुड़े हुए मार्गदर्शन भी दिए, विद्यार्थियों ने जो विषय वर्तमान में चयन किए हैं जिस विषय से वह अपनी आगे की पढ़ाई कर रहे हैं वह आपको किस और ले जाएंगे कौन सा रोजगार , स्वरोजगार मिलेगा,कैरियर काउंसलर मुकेश तिवारी एवं अखिलेश असाटी के द्वारा दी गई, वही कक्षा 12वीं में अध्यनरत विद्यार्थियों से जब कैरियर काउंसलिंग से बात की गई तब उन्होंने बताया कि कक्षा 12वीं के बाद क्या करें और कहां से करें, इत्यादि प्रश्न विद्यार्थियों ने कैरियर काउंसलर से पूछे, जिनका सटीक जबाब सभी विद्यार्थियों को दिया गये,कक्षा 12वीं के बाद अपने मार्ग को बदलने की अपेक्षा अपने मार्ग पर आगे बड़े, कैरियर काउंसलर मुकेश तिवारी ने व्यावसायिक शिक्षा, तकनीकी शिक्षा और स्वास्थ्य शिक्षा के बारे में बताया यह सभी शिक्षाएं आपको रोजगार और स्वरोजगार की ओर ले जाती हैं जिसमें कड़ी मेहनत करके और उचित मार्गदर्शन पाकर ही आप अपने भविष्य को सुनिश्चित कर सकते हैं इसलिए अपने समय को व्यर्थ ना गवाये समय का उपयोग करें और समय-समय पर रोजगार कार्यालय दमोह द्वारा जो निजी क्षेत्र मे रोजगार उपलब्ध कराए जाते हैं उनमें अपनी योग्यता अनुसार आकर रोजगार प्राप्त करें, जिला रोजगार कार्यालय दमोह द्वारा समय-समय पर विद्यार्थियों की करियर काउंसलिंग की जाती है और उनको सुनहरे भविष्य की ओर मोटिवेट भी किया जाता है, साथ में जो रोजगार उपलब्ध कराया जाए तो उसकी भी विस्तृत जानकारी दी जाती है, शासकीय एक्सीलेंस स्कूल दमोह के प्राचार्य एस. एल.अहीरवाल और दुबे सर के साथ समस्त स्टाफ के द्वारा कैरियर काउंसलिंग में पूर्ण सहयोग प्रदान किया गया!

बारिश में बहगई फसल,टुट-फुट गया गुणवत्ता विहीन पुल

जान जोखिम में रखकर नदी पार कर रहे ग्रामीण

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ लालबर्रा, नगर मुख्यालय से लगभग दो किलोमीटर कि दूरी पर स्थित ग्राम पंचायत औल्याकन्हार अन्तर्गत आने वाले ग्राम मुरलीखाम -पाजंराटोला में बना गुणवत्ता विहीन पुल आखिरकार बारिश अधिक होने से बह गया जिस वजह से किसानों कि लगी लाखों रुपए कि कीमती फसल पुरी तरह से बह गई जिससे किसानों को काफी नुकसान हुआ है तथा पांजराटोला में पुल के उस पार 15से20 किसान निवास करते हैं उनको आवागमन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है,स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे नदी में पानी अधिक होने से स्कूल नहीं जा पा रहे हैं। जिस वजह से उनको शिक्षा से वंचित रहना पड़ रहा है तथा एक महिला कि अचानक तबीयत खराब हो गई लेकिन पानी अधिक होने से डाक्टर इलाज करने नहीं आया जिससे उस महिला को केवल मामूली सी गोली में ही संतुष्ट रहना पड़ा। वहीं मिडिया टीम जब 27 जुलाई को मौका स्थल पर ग्राम सरपंच प्रतिनिधि ओ पी बिसेन जी के साथ पहुंची तो ग्रामीणों में काफी आक्रोश नजर आ रहा था कोई ठेकेदार को कोस रहा था तो कोई जिलापंचायत सदस्य को कह रहा था कि कैसे-कैसे ठेकेदार को काम दिलवा दिये कहकर बोल रहे थे यह जनप्रतिनिधियों का विकास कार्य दर्शाता है कि किस हद तक जनप्रतिनिधियों कि बात अधिकारी व ठेकेदार मानते हैं।या फिर कहें कि जनप्रतिनिधियों कि उदासिंनता को दर्शाता है।ग्रामीणों का यह भी कहना आया कि इसी ठेकेदार को अधिक काम दिया जाता है इसने जहां भी शासकीय काम किए हैं एक भी काम ठीक ठीक नहीं किए हैं। वहीं हमारे द्वारा इस अधुरे पुल निर्माण को लेकर अनेकों बार शासन प्रशासन का ध्यान आकर्षित करवाने का प्रयास किया गया है लेकिन अभी तक

किसी भी अधिकारी कि आंख नहीं खुली है,तथा पुल निर्माण में लापरवाही को लेकर भी बार बार अखबार व न्यूज़ चैनल के माध्यम से जिले के कलेक्टर महोदय का ध्यान आकर्षित करवाने का प्रयास किया गया हैं।

जान जोखिम में रखकर पार कर नदी कब तक सुधरेंगे हालात– विदित हो कि उक्त स्थान पर पुल निर्माण हेतु ग्रामीणों के द्वारा लगातार मांग कि जा रही थी तथा तब जाकर पुल के लिए राशि स्वीकृत हुई थी तथा पुल निर्माण के लिए 2023 में आर ई एस विभाग से 34 लाख रुपए कि राशि स्वीकृत हुई थी, दो साल बित गये लेकिन अभी तक यह पुल निर्माण का कार्य पुर्ण नहीं हुआ है कछुआ गति से काम किया गया है।बार बार प्रशासन को अवगत कराने के बाद भी पुल निर्माण अधुरा है। तथा बारिश में पुल का कुछ हिस्सा बह गया जिससे ग्रामीणों को जान जोखिम में रखकर आवागमन करना पड़ रहा है। इस हालत का जिम्मेदार कौन है क्या ऐसे ही लापरवाही ही चलते रहेगी। तथा अभी तक उक्त स्थान पर सूचना बोर्ड नहीं लगाया गया है।

लाखों कि कीमती फसल हुई बर्बाद मुवावजे कि उठी मांग–ज्ञात हो कि बारिश अधिक होने के चलते गुणवत्ता विहीन पुल टुट-फुट तो हुआ ही साथ में खेती कि पुरी फसल पुरी से बह गई जिससे किसानों को लाखों रुपए का नुक़सान हुआ है वहीं किसानों ने कहा कि जल्द ही हल्का पटवारी व राजस्व अमला स्थल पर पहुंचकर जांच करें तथा फसल नुकसानी हेतु सहायता राशि उपलब्ध कराये।

इनका कहना है।

परेशानी बहुत ज्यादा हो रही है बच्चे पढ़ने नहीं जा रहे हैं अचानक उनका पेपर है टेस्ट है तो उनको कंधे पर रखकर नहकाना पड़ता है माताराम कि आज तबीयत खराब हो गई तो दवाई के लिए गया था डाक्टर भी नहीं आ सक रहा है बहुत दिक्कत जा रही है निर्माण तो हुआ पर ऐसा हुआ कि कालाबाजारी जैसे 15 दिन का मस्टरोल निकलता है एक हफ्ता काम करवाते हैं बाकी दिन बंद रहता है कहां से निर्माण कार्य होगा हर समय परेशानी होती है। ***राजू पंचेश्वर कृषक मुरलीखाम***

निर्माण कार्य 2023 से हो रहा है लेकिन इसका कुछ भी उध्दार नहीं हो पा रहा है जो ठेकेदार हैं राहुल शुक्ला वह भी काम नहीं कर पा रहा है आता है थोड़ा बहुत काम करता है फिर बंद कर देता है और चले जाता है किसान दुविधा में हैं आजू-बाजू वाले किसानों कि जमीन इतनी कट चुकी है इसकी भरपाई कौन करेगा ठेकेदार करेंगा क्या सरपंच साहब करेंगे या जनपद पंचायत करेगी अपने को जानकारी चाहिए आप लोगों के माध्यम से यह दो साल से बन रहा है लेकिन अब तक नहीं बन पाया है किसान लोग कैसे करेंगे कहां जायेंगे उस साईड रहने वालों के लिए ज्यादा मुसीबत खड़ा हो गया है हमारी मांग है कि जो मोंग वाले जो लगाये है उसको निकलवादो नहीं तो हर बार कि ऐसी ही किलकिल रहेगी। ***अनिल पंचेश्वर मुरलीखाम***

जिस प्रकार से 2023 में बरसात के समय में हमारे यहां पर एक परिवार रहता है कम से कम दस से बारह मकान नदी के उस पार बना हुआ हैं वहां पर एक माताराम गुजर चुकी थी उस संस्कार में, मैं आया हुआ था और बरसात बहुत तेजी से हुई थी बहुत से मेहमान अंतिम संस्कार में पहुच नहीं पाये थे,उस समय में भी बहुत परेशानी गई थी हमारे द्वारा पुल निर्माण को लेकर अनेकों बार मिडिया के माध्यम से मांग कि गई तब जाकर पुर्व मंत्री महोदय श्री गौरीशंकर बिसेन ने पुल निर्माण के लिए राशि स्वीकृत कि तथा दो साल से पुल निर्माण कार्य चल रहा है लेकिन अभी तक कम्पलीट नहीं हुआ है जानकारी मिल रही है कि पुल निर्माण कि समस्त राशि ठेकेदार के द्वारा निकाल ली गई है तथा लालबर्रा में जो नाली बन रही है उसमें यहां कि राशि खर्च कर दि गई है। और यहां पर ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।- ***ओ पी बिसेन सरपंच प्रतिनिधि***

काम विधीवत रुप से ही हुआ है तथा अभी तक पुल भी बन जाता लेकिन ग्रामीणों के द्वारा ही कई बार आकर काम को रुकवाया जाता है और कहते हैं कि हमारी जमीन फस रही है यहां से मत बनाओ कहकर कई बार परेशान करते रहते हैं पुल उनके आवागमन के लिए ही बन रहा है। और वहीं के लोगों को काम पर रखा जाता हैं, तथा इस तरह के पुल कि हाईट भी कम ही रहती है।रही बात सूचना पटल कि तो वह लगवा दिया जायेगा तथा पुल कि राशि अभी बची हुई है बरसात समाप्त होते ही पुल निर्माण का कार्य प्रारंभ कर दिया जायेगा। सभी लोगों के सहयोग कि आवश्यकता है। -***सी के धारणे इंजीनियर***

सदगुरु पब्लिक स्कूल में हुआ स्टूडेन्ट काउंसिल का गठन

डॉ. बी.के.जैन ने छात्रों को शपथ दिलाकर ग्रहण कराया पदभार

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ सतना । चित्रकूट,परमहंस संत श्री रणछोड़दास जी महाराज की प्रेरणा से संचालित सदगुरु शिक्षा समिति के तत्वावधान में जानकीकुण्ड-चित्रकूट में संचालित सीबीएसई मान्यता प्राप्त सदगुरु पब्लिक स्कूल में शैक्षणिक सत्र 2024-25 के स्टूडेंस काउंसिल का गठन किया गया। इस अवसर पर आयोजित विशेष कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ट्रस्टी व निदेशक डॉ. बी.के. जैन एवं शिक्षा समिति की अध्यक्ष उषा जैन रही। समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं गुरुपूजन के साथ हुआ। इसके उपरान्त छात्राओं ने स्वागत गीत द्वारा पधारे हुए समस्त अतिथियों का स्वागत किया एवं प्राचार्य राकेश तिवारी ने स्वागतीय उद्बोधन द्वारा सभी का अभिनंदन किया। उन्होंने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी छात्रों को व्योम, वरुण, वसुंधरा और वायु हाउस, इन चार विभिन्न सदनों में प्रीफेक्ट, हाउस कैप्टन वाइस कैप्टन, स्पोर्ट्स कैप्टन, कल्चरल कैप्टन एवं वाइस कैप्टन आदि पद वितरित किये गए। काउंसिल में जिन छात्रों को पदभार ग्रहण कराया गया उनमें समीर सिंह हेड

ब्वाय, आकांक्षा शुक्ला हेड गर्ल, ज्ञानेन्द्र सिंह स्पोर्ट्स कैप्टन ब्वाय, अनन्या जायसवाल स्पोर्ट्स कैप्टन गर्ल, संस्कृति सिंह कल्चरल सेक्रेटरी, ऋद्धा द्विवेदी डिसिप्लिन सेक्रेटरी, अथर्व शुक्ला वरुण हाउस कैप्टन, प्राची सिंह वरुण हाउस प्रिफेक्ट, अंशुमान पयासी वसुन्धरा हाउस कैप्टन, आरिफ अली वसुंधरा हाउस प्रिफेक्ट, राशि जायसवाल वायु हाउस कैप्टन, अन्नपूर्णिमा वायु हाउस प्रिफेक्ट, देवेन्द्र प्रताप व्योम हाउस हाउस कैप्टन, आशुतोष तिवारी व्योम हाउस प्रिफेक्ट । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ बी. के. जैन ने सभी को बैच पहना कर हाउस फ्लैग सौंप कर शपथ दिलवाई।श्रीमती उषा जैन ने छात्रों को बतलाया कि, अधिकार और पद के साथ दायित्व का निर्वहन करना होता है, यह सभी पद छात्रों के अन्दर छिपी प्रतिभा एवं नेतृत्व की क्षमता को विकसित करने के लिए किया जा रहा है। गुरुदेव का एक ही सूत्र है सेवा धर्म परायण बने एवं अपने जीवन का सूत्र सेवा और परोपकार को बनाएं। इस अवसर पर उपाध्यक्ष अनुभा अग्रवाल, सचिव आर.बी. सिंह चौहान,सुमन द्विवेदी, प्राचार्य राकेश तिवारी, शंकरदयाल पाण्डेय, सुरेन्द्र तिवारी, उपप्राचार्या अंजली भटनागर, सीमा चौधरी सहित छात्र, छात्राएं, अभिभावक एवं शिक्षक उपस्थित रहे ।

प्रसूताओ के निधन के मामले की जाँच चल रही है, जाँच विषय विशेषज्ञ कर रहे हैं - कलेक्टर

आक्षेप - प्रत्याक्षेप लगाने से डॉक्टर का मनोबल नीचे गिरता है

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा हाल ही में दमोह में प्रसूताओं के निधन का मामला सामने आया है, उसकी जांच चल रही है, जांच विषय विशेषज्ञ कर रहे हैं। डॉक्टर धरती पर भगवान का रूप होते हैं, जो की सभी जानते हैं, डॉक्टर का काम मरीजों की जान को बचाना है, मरीजों की जान को बचाने के लिए दिन-रात काम करते हैं। इस तरह की जब घटनाएं होती हैं और उन पर जांच के दौरान ही आक्षेप-प्रत्याक्षेप लगते हैं, ऐसी स्थिति में डॉक्टर का मनोबल नीचे गिरता है। कलेक्टर ने कहा प्रसूताओं के मामले में पूरी जांच चल रही है, जांच को पूरा हो जाने दीजिए, जांच के रिजल्ट आने दीजिए, हमको किसी को भी तब तक या किसी भी स्थिति में किसी प्रकार से इस तरह का माहौल बनाने का हक नहीं है, जिससे डॉक्टरो का मोरल डाउन हो और ऐसी स्थिति में डॉक्टर्स को

ऑपरेशन करने में दिक्कत पैदा हो, क्योंकि जिला अस्पताल में, दूसरे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में और डिलेवरी सेंटर्स पर बहुत बड़ी तादाद में लोग जाते हैं, आम आदमी जाते हैं, गरीब व्यक्ति जाते हैं, ऐसी स्थिति में यदि डॉक्टर का मनोबल गिरता है, तो उसका सीधा प्रभाव चिकित्सा पर पड़ेगा। इसलिए मेरा आप सभी से आग्रह है, कि डॉक्टर्स का मनोबल बिल्कुल नहीं गिरना चाहिए, उनको उनका काम करने दिया जाए, वह लगातार काम कर रहे हैं, अभी भी ऑपरेशन थिएटर में ऑपरेशन लगातार हो रहे हैं। उन्होंने कहा जांच प्रचलित है, इसलिए किसी प्रकार के वाद विवाद या निष्कर्ष निकालने का कोई मतलब नहीं है और किसी पर आरोप प्रत्यारोप लगाने का भी कोई मतलब नहीं है। सभी को अपना काम करने दिया जाए, ताकि हम मरीजों के स्वास्थ्य और मरीजों की जान के साथ पूरा न्याय कर सकें और सभी को स्वास्थ्य लाभ प्रदान कर सकें।

पुराने स्कूल भवनों के सुधार का कार्य खनिज गौण मद से कराया जायेगा : पशुपालन राज्यमंत्री लखन पटैल

आने वाले अक्टूबर के माह में खाद की आपूर्ति पूर्ण रहे और किसान परेशान ना हो व्यवस्था सुनिश्चित की जाये : सांसद राहुल सिंह

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, हम लोग एक नया प्रयोग शुरू करने जा रहे हैं जो पुराने स्कूलों के भवन की स्थिति खराब है, जिला खनिज गौण मद की राशि से उसको ठीक करने का निर्णय लिया है, इसके परिणाम बहुत अच्छे आएंगे। खास तौर से हम लोगों ने चिंता जाहिर की है की आने वाले अक्टूबर के महीने में दो चीजों की सबसे ज्यादा दिक्कत होती है, गांव में किसानों को बिजली और खाद की, अक्टूबर के महीने में यह दिक्कत ना आए, इसके लिए पूरी तरह से तैयारी कर ली जाये, खराब ट्रांसफार्मर हो उनको तुरंत बदला जाए, ठीक किया जाए। इस आशय के विचार प्रदेश के पशुपालन एवं डेयरी विभाग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) लखन पटेल ने आज जिला खनिज प्रतिष्ठान मद संबंधी महत्वपूर्ण बैठक में व्यक्त किये। इस मौके पर सांसद राहुल सिंह, म.प्र. राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया, विधायक उमादेखी खटीक, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रीतम सिंह लोधी, सतेन्द्र सिंह, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर, सीईओ जिला पंचायत अर्पित वर्मा, वनमण्डलाधिकारी एमएस उईके, अपर कलेक्टर मीना मसराम, समस्त एसडीएम एवं अन्य विभागों के अधिकारीगण मौजूद थे। राज्य मंत्री ने कहा जितने भी ट्रांसफार्मर जले हैं या खराब हैं सुधार करवा लिये जाएं। आगामी रबी सीजन में किसानों को परेशानी ना हो, अभी पर्याप्त समय है प्रक्रियाएं पूरी कर ली जाएं। उन्होंने कहा उर्वरक का आगामी सत्र में मांग के अनुसार अभी से प्लान कर लिया जाए ताकि रबी सीजन में किसी तरह की कोई परेशानी ना हो, कहीं कोई दिक्कत है तो उन्हें अवगत कराया जाये। पशुपालन राज्यमंत्री ने बैठक में निर्देश दिये खाद का स्टॉक रखा जाये, टोटल डिमांड कितनी है और अभी अपने पास स्टॉक कितना है, इन दो महीनो के बीच में किसानों तक खाद पहुंच जाए। जैसे ही स्टॉक खत्म होगा फिर अक्टूबर में नहीं मिल पायेगा, उससे पहले यह सभी किसानों तक पहुंच जाए और जो हमारी डिमांड है, धीरे-धीरे उसकी पूर्ति करते जाएं। राज्यमंत्री ने बैठक में कहा राजस्व महा अभियान के

तहत जितने प्रकरण है, उनको निराकृत करने का काम चल रहा है, खासतौर से दो बड़ी समस्याएं हैं, पहला नक्शे का सुधार और आपसी बटवारा, नामांतरण इनके सुधार का अभियान चल रहा है, किसानों के लिए अच्छा अवसर है, कि बिना किसी परेशानी के वे अपनी बड़ी समस्याओं को हल कर सकते हैं। नक्शे जब ठीक हो जाएंगे तो बहुत सारे प्रकरण समाप्त हो जाएंगे। राज्यमंत्री पटैल ने इस निर्णय के लिये मुख्यमंत्रीके लिए धन्यवाद देते हुये कहा यह फैसला किसानों के हित में लिया है इसलिए उनका धन्यवाद करना चाहता हूं।

सांसद राहुल सिंह लोधी ने कहा प्रारंभिक तौर पर बैठक में हमने यह तय किया है कि जितने भी जिले के स्कूल जो जर्जर हो गए हैं, उनको प्रारंभिक रूप से उनका काम किया जाए और जवाब देही तय की जाएगी, जो भी कार्य करेगा और आने वाले समय में यदि उसकी गुणवत्ता ठीक नहीं रहती है, कोई कमी आती है, तो जवाब देही तय होगी और उस पर कार्यवाही होगी। उन्होंने खाद को लेकर कहा आने वाले अक्टूबर के माह में खाद की आपूर्ति पूर्ण रहे और किसान परेशान ना हो इसकी व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। सांसद राहुल सिंह लोधी ने कहा जिस एजेंसी के काम बेहतर हो यह सुनिश्चित किया जाए। निर्माण कार्य में अधिकारियों की जिम्मेवारी और जवाबदेही तय की जाए। कार्य सभी जगह गुणवत्ता पूर्ण हो या सुनिश्चित हो। उन्होंने कहा योजनाओं के तहत पाइप लाइन डाले जाने के बाद सड़कों का रीस्टोरेशन कार्य सुनिश्चित कराया जाये। सांसद ने बिजली को लेकर कहा जो डीपी जल गई है, यह तय किया जाए की डीपी पर्याप्त संख्या में रहे, जिससे किसानों को बिजली की समस्या ना हो। निरंतर किसान के प्रति और निरंतर शिक्षा के प्रति हम लोग कार्य कर रहे हैं और समय-समय पर इस प्रकार की बैठकें सभी जनप्रतिनिधि करते रहेंगे। दमोह के लिए जो भी बेहतर होगा सभी मंत्रीगणों के साथ अधिकारिगणों के साथ मिलकर करेंगे।

राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया ने कहा सभी लोग मिलकर के जिले के विकास के लिए प्रयत्नशील है, एक बड़ी खुशखबरी है कि 100 करोड़ बांदकपुर के लिए स्वीकृत कर रहे हैं। जिले में जैविक कृषि को बढ़ावा मिले उसके लिए भी प्रयत्न किये जायेंगे, गौशालायें सक्रीय रहें, गौशालाओं में गोबर गैस प्लांट, उनमें चारागार डेवलपमेंट का काम, नस्ल सुधार का काम और जैविक खाद बना करके किसानों को बांटने के काम किये जाने की बात कही। उन्होंने कहा इससे फर्टिलाइजर कम लेना पड़ेगा, जैविक खाद ज्यादा उपयोग करें ताकि हमारा पर्यावरण सुधरे, हमारा स्वास्थ्य सुधरे । खनिज गौण मद के संबंध में उन्होंने कहा सभी ने अपने-अपने सुझाव भी रखे हैं, इससे यह होगा कि जो बहुत आवश्यक काम हैं, वह काम हो जाएंगे और जिले के लिए जो जरूरी काम है, उनके ऊपर अमल होगा। हटा विधायक श्रीमती उमा देवी खटीक ने कहा यह महत्वपूर्ण बैठक है, जनमानस की सुविधाओं को और किसानों की परेशानी को दूर करने के लिए समस्त विभागों की बैठक रखी गई है। आमजन की सुविधाओं के लिए प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा खनिज गौण मद की राशि जिले में आती है, उसके लिये हम लोगों ने एक प्लान किया है, कि गोंण खनिज की राशि शिक्षा विभाग में जो प्राथमिक शालाएं और माध्यमिक शालाएं क्षतिग्रस्त हैं, उनकी दुरूस्ति के लिए यह राशि समस्त स्कूलों में जाएगी और उसमें सुधार होगा। बैठक में कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने बताया डीएफ मत से 143 स्कूलों के मरम्मत के लिए 3.27 करोड रुपए के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, इनमें प्राथमिक माध्यमिक और हाई स्कूल शामिल है, इसके पूर्व कलेक्टर ने छ्रस्न मद से उपलब्ध राशि की जानकारी दी और चल रहे कार्यों की प्रगति से अवगत कराया।

कलेक्टर ने बताया शासन द्वारा राजस्व महाअभियान चरण-2 प्रारंभ किया गया है, राजस्व से संबंधित जितने भी समस्याएं आम आदमी और किसानों की है, अभियान चलाकर उनको दूर किया जायेगा, यह अभियान 45 दिन तक चलेगा है, इसमें जमीन से संबंधित जितनी भी समस्याएं हैं जिनमें नामांतरण, बटवारा और उसके अलावा बाकी और कई चीजे हैं, इन सभी समस्याओं का समाधान करने का प्रयास किया जाएगा। कलेक्टर ने बताया अविवादित नामांतरण और अविवादित बंटवारा इसके जितने भी लंबित प्रकरण हैं, सब निपटाए जाएंगे, दूसरा पीएम किसान जो पीएम किसान सम्मान निधि के अंतर्गत जो लोग छूट गए हैं या जो गलती से अपात्र हो गए हैं उनको पात्र करने की कार्यवाही, छूटे हुए नामों को जोड़ने की कार्यवाही, यह सारी चीज इस अभियान के दौरान की जायेंगी। स्वामित्व योजना के अंतर्गत जो अधिकार अभिलेख मिलने हैं, यानी जमीन के स्वामित्व का अधिकार अभिलेख प्राप्त होना है, वह दिलाने का काम पूरे अभियान के दौरान किया जाएगा। इसके पूर्व बैठक में सीईओ जिला पंचायत अर्पित वर्मा ने बताया कि इस मद से 164 कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं 34 कार्य प्रगतिरत हैं। उन्होंने पॉवरप्वाइंट के माध्यम से मद में उपलब्ध राशि और कार्यों की प्रगति के संबंध में जानकारी दी। सीईओ जिला पंचायत अर्पित वर्मा ने बताया दमोह के 25, पथरिया के 39, जबेरा के 39 और हटा के 40 स्कूल शामिल हैं जहां मरम्मत कार्य इस मद से कराये जायेंगे। बैठक में जल निगम और विद्युत विभाग के कार्यो के संबंध में अधिकारियों ने जानकारी रखी। कृषि अधिकारियों ने उर्वरक उपलब्धता और रबी सीजन की कार्य योजना से अवगत कराया।

स्वामी विवेकानन्द महाविद्यालय मैहर मे एक दिवसीय रोजगार मेले का होगा आयोजन

30 जुलाई 2024 को समय प्रात : 10 बजे से विभिन्न कंपनियों द्वारा प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित की जायेगी

श्री निवास मिश्रा । सिटी चीफ मैहर, मैहर जिले के शासकीय स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय (प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस) मे एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन दिनांक 30 जुलाई 2024 को समय प्रात: 10 बजे से विभिन्न कंपनियों द्वारा प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित की जायेगी। जिसमें सभी विभागों के कैंप लगाकर बेरोजगारों को स्वरोजगार एवं रोजगार के अवसर उपलब्ध कराया जायेगा। उपयुक्त जानकारी महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष

संतोष पाण्डेय (राजा) ने मीडिया के माध्यम से अवगत कराया कि मेले मे बाहरी कम्पनियों/एमेजान/बैंकिंग सेक्टर/जीवन बीमा निगम के एच.आर. स्पाट प्लेसमेंट के लिए लगाये जायेंगे। जो पार्ट टाइम जॉब तथा फुल टाइम जॉब हेतु आवेदन कर सकते है। महाविद्यालय के प्रांगण में स्टॉल विभिन्न सरकारी संस्थाओं कृषि, वन, मत्स्य, बैंकिग, सेक्टर, उद्योग के कैंप लगाकार शासकीय तथा स्टार्टअप योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी जायेगी। आवदेक 10वी, 12वीं स्नातक/स्नातकोत्तर ग्रेजुएट एवं आईटीआई उत्तीर्ण के आवेदक अपने मूल दस्तावोजों में अंकसूची, आधार कार्ड, निवास प्रमाण पत्र, वोटर आईडी तथा पासपोर्ट साइज फोटो के साथ रोजगार मेले में चयन के लिए उपस्थित हो सकते हैं।

शहडोल संभाग के निदेशकों की एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला संपन्न

सम्बद्ध अध्ययन संस्थाओं की उन्नति हेतु विश्वविद्यालय प्रतिबद्धः कुलगुरु प्रो.सुरेश

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफा शहडोल, भोपाल माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के सम्बद्ध अध्ययन संस्थाएं द्वारा शहडोल के होटल वेलकम इन में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. (डॉ.) के.जी. सुरेश ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यशाला में शहडोल संभाग के अनूपपुर, उमरिया एवं शहडोल जिले के मान्यता प्राप्त लगभग 50 निदेशकों ने भाग लिया। कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए कुलगुरु प्रो. सुरेश ने कहा कि सम्बद्ध अध्ययन संस्थाओं की। उन्नति हेतु विश्वविद्यालय प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर उन्होंने सम्बद्ध अध्ययन संस्था विभाग का नाम सम्बद्ध

अध्ययन संस्था निदेशालय करने की घोषणा की। प्रो. सुरेश ने कहा कि विश्वविद्यालय की पहचान समय पर परीक्षा और परिणाम है जो कि तीन दशक का रिकार्ड है। उन्होंने संस्था संचालकों को कहा कि वे अपनी संस्था में पूर्व विद्यार्थी प्रकोष्ठ का गठन करें और साल में एक बार उन विद्यार्थियों को बुलाकर नवीन विद्यार्थियों से रुबरु करवाएं, ताकि विद्यार्थियों को इसका लाभ मिल सके। उन्होंने विश्वविद्यालय में होने वाले प्रतिभा प्रतियोगिता की तरह अध्ययन केंद्रों में भी इसे आयोजित किए जाने की बात कही। कार्यशाला को कुलसचिव प्रो. (डॉ.)अविनाश वाजपेयी, निदेशक संबद्ध अध्ययन संस्थाएं डॉ. बबीता अग्रवाल, परीक्षा नियंत्रक डॉ. राजेश पाठक, विशेष अधिकारी डॉ.अरुण कुमार खोबरे, सहायक कुलसचिव विवेक शाक्य ने भी कार्यशाला को संबोधित किया। सहायक प्रोग्रामर ज्ञानेश्वर ढोके ने आभार प्रदर्शन किया।

समाजसेवी प्रखर वक्ता मुन्ना गौतम ने कहा

नगरपालिका मैहर को सर्वाधिक राजस्व देने वाला 23 नम्बर वार्ड दुर्दशा का शिकार

श्री निवास मिश्रा । सिटी चीफ
मैहर, विगत लगभग 10 वर्ष पूर्व परसोखा, लखनपुर, लखवार, इमिलिया, गिरगिटा पांच गावो को मिलाकर एक नया वार्ड बनाया गया जिसे टमस वार्ड, वार्ड नम्बर 23 का नाम दिया गया। आपको बताते चले कि मैहर नगरपालिका को यह सर्वाधिक राजस्व देने वाला वार्ड है इसके बाद भी आज भी यह वार्ड अपनी बुनियादी सुविधाओं की बाट जोह रहा है। चुनावी समर में तो तमाम रणबाकुरों ने जनता को लुभाने के लिए तमाम तरह की दम भरते रहे लेकिन आजतक किसी भी जन प्रतिनिधि ने इस वार्ड की सूरत नही बदल पाई। आज भी यहां के लोग बुनियादी समस्यायों पानी बिजली सड़क स्वास्थ्य शिक्षा आदि की समुचित व्यवस्था से महरूम है। मैहर में विकास पागल होने की स्थित में पहुँच गया लेकिन इन गाँव के लोग उसी विकास को ढूंढ रहे है। समाजसेवी प्रखर वक्ता मुन्ना गौतम ने एकबार फिर मैहर के

जिम्मेवार तंत्र का ध्यान आकृष्ट कराते हुए कहा है कि इन गावो में भी मानव ही रहते है इसलिए जो सुविधाएं अन्य वार्ड के लोगो को मिल रही है उसके अधिकारी इन गावो में भी रहने वालों को है। 10 वर्ष इन गावो को नगरपालिका से जुड़े हो गए लेकिन आजतक ये गाँव शहरी विद्युत से नही जुड़ पाए आज भी इन गावो को इस सुविधा से वंचित रखा गया। कहने को नगरपालिका क्षेत्र है लेकिन यहां कभी कभार ही विजली के दर्शन होते है दो दो तीन तीन दिन तक लाइट गावो में नही रहती लक़ीन ग्रामीणों की सुध लेने वाला कोई नही। यहां न सड़के है न साफ सफाई की कोई व्यवस्था है न स्वच्छ पेय जल की कोई व्यवस्था है,नगरीय प्रशासन से मिलने वाली कोई भी सुविधा इन गावो को नही मिलती न ही इन गावो के विकास की कोई सोच है केवल टैक्स लगाने के लिए इन गावो को नगरपालिका में जोड़ने का कार्य किया गया है जो उचित नही। यहां के राजस्व से शहर के अन्य क्षेत्रों का विकास किया जा रहा है लेकिन इस विकास के असली हकदार भटक रहे है कोई सुनने वाला नही। श्री गौतम ने कहा कि ग्रामीण अब इस दुराभाव को बर्दास्त करने वाले नही विद्युत सहित विकास के तमाम मुद्दों पर अगर नगरपालिका कार्य नही सुरु करती तो इन पांचो गाँव के ग्रामीण एकजुट होकर बड़े आंदोलन की तैयारी करेंगे।

यात्री के वेष में था शातिर मोबाइल चोर, गिरफ्तार

यात्री बनाकर ट्रेन में करता था यात्रा, चार्ज में लगे मोबाइलों की चोरी कर हो जाता था फरार

शहडोल। ट्रेन से यात्रियों के मोबाइल की चोरी करने वाले एक युवक को आरपीएफ एवम जीआरपी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी युवक कटनी से अनूपपुर की टिकट लेकर यात्री बनाकर ट्रेन में यात्रा करता था और यात्रियों के चार्ज में लगे मोबाइलों की चोरी कर फरार हो जाता था। आरोपी से पूछताछ में उसने चोरी करना स्वीकार किया। आरोपी के विरुद्ध चोरी का प्रकरण दर्ज करते हुए जीआरपी ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। आरपीएफ ने जानकारी में बताया कि नागपुर- शहडोल एक्सप्रेस के जनरल कोच में यात्री दीपू यादव निवासी कोटमा ट्रेन में कटनी से शहडोल आ रहे थे, इस दौरान उनका मोबाइल चोरी हो गया। काफी तलाशने के बाद भी ट्रेन में गुमा हुआ मोबाइल नहीं मिला। जब ट्रेन शहडोल पहुंची तो युवक ने जीआरपी थाने जाकर मामले की शिकायत की जिसके बाद जीआरपी एवं आरपीएफ पुलिस हरकत में आई और मामला दर्ज करते हुए तत्काल आरपीएफ को सूचित कर विवेचना शुरू कर दी। गौरतलब हो कि इसी दौरान टीम ने शहडोल रेलवे स्टेशन से एक संदेही को हिरासत में लिया। तलाशी लेने पर चोरी का मोबाइल बरामद हुआ। आरोपी से नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम रवि यादव पिता सूर्यानाथ यादव 30 वर्ष निवासी त्रिपुरी चौक जबलपुर का होना बताया है।सख्ती से जब पुलिस ने पूछताछ की तो आरोपी रवि यादव ने बताया कि वह कटनी से अनूपपुर के बीच मोबाइल की चोरी करता था, इसके पहले भी वह 10-15 मोबाइल ट्रेन, प्लेट फॉर्म, टिकट बुकिंग काउंटर, वेटिंग हाल से चोरी कर चुका है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करते हुए आगे की विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि आरोपी जनरल कोच में अक्सर महंगे मोबाइलों की चोरी करता था, और चोरी के मोबाइल को जबलपुर ले जाकर बेच देता था। पुलिस मामले की जांच कर रही है, पुलिस का कहना है कि चोरी के अन्य मोबाइल भी बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है।

बेलगाम अवैध पैकारी, गली गली मैखाना बढ़ गए शराबी

आबकारी अफसर की शह, परचून की दुक़ान में बिक रही शराब

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ शहडोल, जिले सहित ग्रामीण क्षेत्र में ढाबों के साथ अब तो गली-मोहल्लों की किराना दुकानों से भी अवैध शराब बेची जा रही है। ताज़ा उदाहरण सिंहपुर का जहा किराना दुक़ान के पीछे बाकायदा शराब बैठकर पिने का इंतज़ाम भी है ऐसा नहीं कि मामले कि जानकारी किसी अफसर को नहीं लेकिन शराब गली गली बिक्री करवाना सरासर अवैध है इसके समाज में दुष्परिणाम भी सामने आने लगे है हत्या लूट चोरी कि बढ़ रही वारदात के पीछे का एक बड़ा कारण यह भी है,एक स्थान पर दुक़ान बनाकर बेचने वाले वैध शराब ठेकेदार अपने वाहनों में शराब भर भरकर इन गांवों तक इस जुगाड़ से आपूर्ति कर रहे हैं। और जिम्मेदार अमला हाथ पर हाँथ धरे हुए बैठा है, जानकार बताते है जिला आबकारी अफसर ऐसे किसी भी स्थान पर दबिश नहीं दी गए जो परंपरागत रूप से अवैध शराब का धंधा करते है इसमें सबसे अहम् बात यह तमाम लोगो कि हिस्सेदारी का बखूबी ख्याल भी रखते है, मात्र एहि कारण है कि आबकारी विभाग के अफसर और पुलिस का इस ओर ध्यान नहीं है। वर्ष 2024-25 के लिए आबकारी विभाग ने लाइसेंसी दुकानों से ही देशी-विदेशी शराब बेचने के लाइसेंस जारी किए हैं, लेकिन इनकी

आड़ में शराब का अवैध कारोबार किया जा रहा है। इसको लेकर जल्दी ही आदिवासी संगठन कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर तत्काल ऐसे लोगो के विरुद्ध कार्यवाही कि जाने कि बात कह रहा है।

दिनभर की कमाई शराब पर खर्च- हम आपको बता दे कि सिंहपुर में खुलेआम बिक रही अवैध शराब के कारण कई लोग इसके आदी हो रहे हैं। विद्यार्थी और युवा भी इसके नशे की चपेट में आ रहे हैं। मजदूर वर्ग दिनभर की कमाई शराब पर खर्च कर रहा है। जबकि अब कम्पोजिट शराब दुकानों से देशी अंग्रेजी शराब भी बेची जा रही है। लेकिन दुक़ान से गली गली दूध और पानीकी सप्लाई कि तरह ऐसा कारोबार किया जाएं कहा तक सही है।

प्रशासन नहीं दे रहा ध्यान- सिंहपुर रोड कि शराब दुकान से देशी और बख्खारी की देशी शराब दुकान से विदेशी शराब बेची जा रही है। लाइसेंसी दुकानों के अतिरिक्त होटल-ढाबों से भी बेधड़क शराब बेची जा रही है। शहडोल क्षेत्र में गली गली शराब आहाते बनवाये गए है जिसमे एक दुक़ान लाइसेंस के बावजूद शहडोल से लेकर सिंह पुर और सारे तक शराब चार पहिया में परिवहन करते हुए गांव गांव बेची जा रही है।

प्रतिक्रिया
मामले में आबकारी अधिकारी सतीश कश्यप के मोबाइल पर फ़ोन किया गया लेकिन उनका फ़ोन नहीं रिसीव हुआ।
सतीश कश्यप, आबकारी अधिकारी, जिला शहडोल

बटुरा में अवैध कोयला खदानें बंद

विजय यादव को पुलिस ने किया आरोपी विजय यादव को गिरफ्तार

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ
शहडोल, बीते दिनों शहडोल कलेक्टर के निर्देशन में बटुरा अन्तर्गत अवैध कोयले की सुरंगों को खनिज विभाग व अमलाई पुलिस के सहयोग से बंद किया गया था, जिले की चर्चित अवैध कोयला खदानों में से एक बटुरा जिसमे चल रहे अवैध कोयले के खेल में विजय की क्या भूमिका किसी से छिपी नही है हालिया उदाहरण एक अन्य आरोप में आरोपी विजय को अमलाई पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मामले में मिली जानकारी के अनुसार राकेश कुमार यादव पिता स्व. रामप्रसाद यादव उम्र 4 वर्ष निवासी ग्राम बटुरा थाना अमलाई जिला शहडोल राजेन्द्र यादव पिता स्व. रामप्रसाद यादव उम्र 38 वर्ष निवासी ग्राम बटुरा थाना में ग्राम बटुरा का रहने वाला हैं, कृषि कार्य करता हैं। पुलिस थाना में शिकायत करते हुए राजेन्द्र ने बताया कि 09 जुलाई 2024 की रात 9 बजे के लगभग वह अपने घर में था तभी

उसका भाई विजय यादव का फोन आया फोन से बताया कि मोहल्ले का सचिन यादव उसे मोबाईल से गाली गलौज कर रहा था, तो मैं उसके घर समझाने आया था तो वह मारपीट कर रहा है तो वह अपने लड़के क्रिस यादव व भतीजा अमन यादव को लेकर राकेश यादव के घर गया और चारों लोग मिल कर राकेश यादव व सचिन यादव को हाथ मुक्का से मारपीट कर रहे था विजय यादव राड से राकेश यादव को मारपीट किया था तब उसकी पत्नी व लडकी दोनों बीच बचाव करने लगी तो राकेश यादव की पत्नी को डंडा से मारपीट किया था उस डंडा को लेकर थाना पहुँचा। पुलिस विवेचना के बाद कुछ अतिरिक्त धाराओ को अधिरोपित करते हुए विजय यादव बटुरा निवासी को इन धाराओं के तहत धारा 333, 296 175(2), 351/2) 35) 117 (2), 118 (2) जेल भेज दिया गया है।

बालक मेढ़ से खेत में गिरा और आ गया ट्रैक्टर के नीचे

चार साल के बालक की दर्दनाक मौत

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ
शहडोल, कृषि कार्य के दौरान ट्रैक्टर की चपेट में आने से चार साल के बालक की दर्दनाक मौत का मामला सामने आया है। घटना जयसिंहनगर थाना क्षेत्र के भैंसहा गांव की है। बालक की मौत के बाद से गांव में मातम पसरा है। सबसे दर्नाक बात यह है कि यह पूरी घटनाक्रम माता-पिता के सामने हुई है, मिली जानकारी के अनुसार ट्रैक्टर खेत की जुताई कर रहा था, तभी बालक उसके नीचे आ गया और उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। गौरतलब होकि देवांश साकेत पिता जवाहर साकेत उम्र चार साल की ट्रक्टर से हुए हादसे में मौत हुई है। पुलिस के अनुसार, भैंसहा गांव में जवाहर अपने खेत में कृषि कार्य के लिए अपने बीवी बच्चों के साथ सुबह पहुंचा था। मृतक देवांश के माता-पिता खेत में रोपा लगाने लगे। तभी देवांश खेत की दूसरी ओर पहुंचा, जहां ट्रैक्टर से जुताई हो रही थी। बालक वहीं खेल रहा था,

खेलते-खेलते देवांश खेत की मेढ़ में चढ़ गया और खेलने लगा। खेत की मेढ़ मिट्टी नई थी, तभी ट्रैक्टर वहां से गुजरा और अचानक मिट्टी खसक गई, जिससे बालक मेढ़ से खेत में गिर गया और ट्रैक्टर के पहिए के नीचे आ गया। ट्रैक्टर आगे बढ़ गया और मौके पर बालक की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद से गांव में मातम पसरा हुआ है। लोग मृत बालक को देखने अस्पताल पहुंच रहे हैं। पीएम के लिए पुलिस ने शव को अस्पताल लाया था।

प्रतिक्रिया..... मामले पर जांच की जा रही है। ट्रैक्टर चालक के विरुद्ध मामला दर्ज किया जाएगा। कृषि कार्य हेतु खेत में ट्रैक्टर मौजूद था, उस दौरान यह हादसा हुआ है। **सतेंद्र चतुर्वेदी, थाना प्रभारी, थाना जयसिंहनगर, शहडोल**

माजी मुख्यमंत्री उद्धव साहेब ठाकरे यांचा वाढदिवस केला साजरा निष्ठावंत कार्यकर्त्याचा उपक्रम

संजय चव्हाण । सिटी चीफ अकोला, बार्शिटाकळी येथिल खोलेश्वर महादेव मंदिर येथे दुग्धअभिषेक पंचायत समिती येथे रक्तदान शिबीर व विवीध उपक्रम राबवुन शिवसेना बार्शिटाकळी तालुक्याच्या वतिने शिवसेना पक्षप्रमुख तथा महाराष्ट्राचे मा. मुख्यमंत्री तमाम शिवसैनिकांचे उर्जास्त्रोत उद्धवसाहेब ठाकरे यांचा वाढदिवस केला साजरा या उपक्रमात तालुक्यातील
.....उपस्थित..... शिवसेना तालुंका प्रमुख गजानन पाटील मानतकर जि.प. सदस्य गोपालभाऊ भटकर जि.प सदस्य गणेशभाऊ

बोबडे जि.प. सदस्य बंडुभाऊ राऊत शहर प्रमुख उमेशभाऊ राऊत उपतालुंका प्रमुख बंडुभाऊ शिंदे तालुंका प्रसिद्धी प्रमुख जिवन राऊत शेतकरी सेना ता प्रमुख प्रदीप पाटील खांडे महिला आघाडी उपजिल्हाप्रमुख रुख्मिनीताई सोनोने ता. प्रमुख कीरणताई सुर्वे युवासेना तालुंका प्रमुख शेरसिंगभाऊ जाधव जि.प.सर्कल प्रमुख करुष्णा पाचे सचिन ठाकरे महादेव पाटील इंगळे नरेंद्र मते पाटील प्रमोद ढोरे पाटील निखिल ठाकरे निलेश पाटील मानतकर आशिष ढोरे व आजी माजी पदाधिकारी व शिवसैनिक उपस्थित होते।

जिल्हा आरोग्य सेवेत उल्लेखनीय कार्य करणाऱ्या प्रा. आ. केंद्र महान चे वैद्यकीय अधिकारी

डॉ. किरण महादेव साबे व सर्व कर्मचारी कार्य गौरव पुरस्काराने सन्मानित..

संजय चव्हाण । सिटी चीफ अकोला, मा, वैष्णवी बी (सी ईओ जि प अकोला) यांच्या हस्ते पुरस्कार स्वीकारताना असताना अ, डॉ किरण महादेव साबे व सर्व कर्मचारी प्रा केंद्र महान अकोला, बर्शितकली ता प्र. - अकोला जि .प. आरोग्य विभागातर्फे सन 2023ट्ट2024 या आर्थिक वर्षांत महाराष्ट्र शासनाचे आरोग्य सेवेतील विविध उपक्रमांद्वारे राबविण्यात येणाऱ्या कार्यक्रमामध्ये उल्लेखनीय कार्य करणाऱ्या ग्रामीण भागातील प्राथमिक आरोग्य केंद्राना प्रोत्साहन देण्याच्या दृष्टीने पुरस्कार प्रदान करण्यात आला.. कायाकल्प पुरस्कार 2023-2024तसेच संस्थात्मक प्रसूती मध्ये जिल्ह्यातून द्वितीय क्रमांक मिळविल्या बद्दल प्रा. आ. केंद्र महान चे वैद्यकीय अधिकारी डॉ किरण महादेव साबे. व त्यांचे कर्मचारी यांचा मा. वैष्णवी बी मुख्यकार्यकारी अधिकारी जि. प. अकोला. यांच्या हस्ते सत्कार करण्यात आला.. कार्यक्रमाचे अध्यक्षस्थानी मा. संगीताताई अढाव. अध्यक्षा जि. प. अकोला. ह्या होत्या .. याप्रसंगी मा. मायाताई नाईक. सभापती आरोग्य विभाग. मा. डॉ कमलेश भंडारी . उपसंचालक आरोग्य सेवा अकोला. डॉ तरंगतूषार वारे जिल्हा शल्यचिकित्सक. मा. डॉ. बळीरामजी गाढवे . जिल्हा

आरोग्य अधिकारी. मा. डॉ. जयंत पाटील अधीक्षक जिल्हा स्त्री रुग्णालय. मा. डॉ शशिकांत पवार अतिरिक्त आरोग्य अधिकारी. मा. डॉ. विनोद करंजिकर. माता बाल संगोपन अधिकारी. मा. डॉ. मनिष शर्मा . जिल्हा क्षयरोग अधिकारी. मा. डॉ. वंदना वसो..

यांची प्रमुख उपस्थिती होती..
तसेच तालुका आरोग्य अधिकारी डॉ. विजय जाधव, डॉ रवींद्र आर्या, डॉ. सुधीर कराळे, डॉ जगदीश बनसोड,डॉ श्वेता सालफळे, डॉ गजानन इंगळे, डॉ प्रवीण चव्हाण, डॉ भावना मेश्राम, साथरोग अधिकारी, डॉ बिबटे, डॉ प्रज्ञा कांबळे यांच्या सह आरोग्य विभागातील अधिकारी कर्मचारी उपस्थित होते. कार्यक्रमाचे प्रास्ताविक डॉ. बळिरामजी गाढवे जिल्हा आरोग्य अधिकारी यांनी तर आभारप्रदर्शन डॉ विजय जाधव अतिरिक्त आरोग्य अधिकारी यांनी केले. विस्तार अधिकारी आरोग्य विभाग अविनाश बेलोकार, प्रशांत गुल्हाने, मीनाक्षी फोकट, दुर्गा चौधरी, रश्मी देवधरे, राहुल बोरचाटे, प्रवीण देशमुख, गणेश बोरकर, संदीप चरूहाटे, सचिन डांगे, विजय घुगे, नरेंद्र बेलोरकर, रवींद्र नगराळे,महेश देशमुख,आदींनी कार्यक्रम यशस्वीते करीता अथक परिश्रम घेतले.

दिल्ली कोचिंग सेंटर मामले में पुलिस ने बेसमेंट मालिक समेत

5 अन्य को किया गिरफ्तार, छात्रों का विरोध प्रदर्शन जारी

नई दिल्ली। दिल्ली में कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने से 2 छात्राओं समेत तीन की मौत पर हंगामा जारी है। सोमवार को यह मुद्दा संसद में भी उठा। वहीं पुलिस ने बेसमेंट के मालिक समेत पांच अन्य को गिरफ्तार किया है। कोचिंग सेंटर के मालिक और कॉर्डिनेटर को रविवार को ही गिरफ्तार कर लिया गया था। खबर यह है कि दिल्ली पुलिस ने कोचिंग सेंटर के मालिक अभिषेक गुप्ता और कॉर्डिनेटर देशपाल सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में दिल्ली पुलिस ने गैर इरादतन हत्या की धारा (नया कानून 105) में केस दर्ज किया है। अन्य कई को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। बेसमेंट में राहत तथा बचाव कार्य पूरा कर लिया गया है। इस बीच, सुबह से छात्रों का प्रदर्शन भी जारी है। सुबह दिल्ली महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष और आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल भी मौके पर पहुंचीं। छात्रों का आरोप है कि उनके कुछ अन्य साथी लापता हैं जो हादसे के समय लाइब्रेरी में मौजूद थे। ऐसे ही एक छात्रा का नाम शुभ रंजन बताया गया है। आशंका है कि मृतक संख्या बढ़ सकती है। बेसमेंट की लाइब्रेरी में फंसे छात्रों में शामिल नकुल ने आपबीती सुनाई है। पानी से लबालब हो चुके बेसमेंट से जिंदा निकलने वाला नकुल आखिरी छात्र था। नकुल ने बताया कि सभी छात्र लाइब्रेरी में थे। बारिश का पानी बहुत तेजी से बेसमेंट में घुसा। छात्र ऊपर आने के लिए सीढ़ियों की ओर भागे, लेकिन पानी का बहाव इतने तेज था कि सीढ़ियों पर चढ़ना मुश्किल हो रहा था। बकौल नकुल, 'अधिकांश छात्र-छात्राएं जैसे-तैसे निकल गए। जो फंस गए, उनको बचाने की कोशिश तेज हुई। बेसमेंट में छत की ऊंचाई 12 फीस है। पांच मिनट के अंदर छत तक पानी भर गया।' 'हमें बचाने के लिए रस्सी फेंकी गई, लेकिन पानी गंदा होने के कारण हमें रस्सी नहीं दिखाई दी। मैं जैसे-तैसे बचकर बाहर निकला।'

हिमाचल के किन्नौर में भूस्खलन से तबाही...

दिल्ली-उत्तर प्रदेश सहित पांच राज्यों में अलर्ट

दिल्ली, उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में भारी बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग के अनुसार बारिश का सिलसिला आज भी जारी रहेगा। उत्तराखंड और गुजरात में 1 अगस्त तक भारी बारिश का अनुमान है। हिमाचल प्रदेश के किन्नौर में भी भारी बारिश जारी है, जिससे यहां भूस्खलन की घटना देखने को मिली है। यहां रिस्पा गांव स्थित रिस्पा नाला उफान पर आ गया, जिसके चलते गांव से संपर्क कट गया। मौसम विभाग ने आज गुजरात, सौराष्ट्र, मध्य प्रदेश और विदर्भ में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश का अनुमान जताया है। छत्तीसगढ़ में कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र में भी भारी बारिश की संभावना है। यह सिलसिला 1 अगस्त तक जारी रहेगा। अगले पांच दिनों तक हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पूर्वी राजस्थान में गरज और बिजली के हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान है। इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पश्चिम राजस्थान में भारी बारिश का अनुमान है।

इन राज्यों में हल्की बारिश- मौसम विभाग की मानें तो तटीय आंतरिक कर्नाटक, तेलंगाना और केरल में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। तमिलनाडु में छिटपुट बारिश के आसार है। अगले 5 दिनों में तटीय आंध्र प्रदेश में भारी बारिश का अनुमान है। पूर्वोत्तर भारत में आज नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भारी बारिश हो सकती है। इसके साथ अगले 5 दिनों में पूर्वी भारत में गरज और बिजली के साथ हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान है। 31 जुलाई को झारखंड में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी बारिश का अलर्ट है। 1 अगस्त को नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भारी बारिश हो सकती है।

इन प्रदेशों में ऑरेंज अलर्ट: वहीं, मौसम विभाग ने मध्य कोंकण, गोवा और महाराष्ट्र के कई क्षेत्रों में 1 अगस्त तक बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। सौराष्ट्र और कच्छ समेत गुजरात के कई इलाकों में 29 जुलाई को भारी बारिश की संभावना है। इधर, दिल्ली में 30 से 31 जुलाई के लिए आईएमडी ने येलो अलर्ट जारी किया।

उत्तराखंड में धारचूला हाईवे टूटा- उत्तराखंड में बारिश के कारण काफी नुकसान हुआ है। भागीरथी, अलकनंदा, मंदाकिनी, पिंडर, यमुना और काली सहित राज्य की सभी बड़ी नदियां खतरें के निशान को छूकर बह रही हैं। टनकपुर तवाघाट राष्ट्रीय राजमार्ग धारचूला से आगे दोबाट पर पहाड़ी का बड़ा हिस्सा टूटकर गिर गया, जिस कारण एनएच 172 टूट गया। ऋषिकेश में गंगा नदी चेतावनी स्तर पर बह रही है। गंगोत्री मंदिर में आरती स्थल तक पानी आ गया है। भयावह बारिश के कारण हरिद्वार में अलर्ट जारी कर दिया गया है। वहीं, शनिवार को अलग-अलग हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई।

उत्तर प्रदेश के जिलों में बाढ़ जैसे हालात- यूपी में बारिश के चलते कई जिलो में बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। सबसे ज्यादा प्रभावित लखीमपुर खीरी है। यहां 300 से अधिक गांवों में पानी घुस गया। ललितपुर में गोविंद सागर बांध के चार और गेट खोलने पड़े, जबकि 16 गेट पहले से खुले हुए थे। वहीं, जालौन जिले के एक गांव में बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हो गई।

पुणे में छह लोगों की मौत- बारिश के कारण जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। बुधवार को पुणे में हुई बारिश में बहे 26 वर्षीय शख्स का शव चार दिन बाद शनिवार को बरामद हुआ। पुणे में 24 जुलाई से लेकर अब तक 6 लोगों की जान जा चुकी है। वहीं, हिमाचल प्रदेश में अब तक बरसात से जुड़ी घटनाओं में 56 लोगों की मौत हो चुकी है।

चीन का नया दाव- इन 6 देशों पर ताइवान सम्मेलन में हिस्सा न लेने का बना रहा दबाव

बीजिंग। चीन के राजनयिक कम से कम छह देशों के नेताओं पर ताइवान में प्रस्तावित चीन केंद्रित सम्मेलन में हिस्सा न लेने का दबाव बना रहे हैं। बैठक में भाग लेने की योजना बना रहे नेताओं ने यह जानकारी दी। बोलिविया, कोलंबिया, स्लोवाकिया, उत्तर मैसेडोनिया, बोस्निया एवं हर्जेगोविना और एक अन्य एशियाई देश (जिसने नाम उजागर करने से इनकार कर दिया) के नेताओं ने कहा कि उनके पास (ताइवान में होने वाली) बैठकों के संबंध में संदेश और फोन कॉल आ रहे हैं, जिसमें उनसे पूछा जा रहा है कि क्या वे ताइवान की यात्रा करने की योजना बना रहे हैं। इन नेताओं ने चीन की इस हरकत को स्वशासित द्वीप को अलग-थलग करने का प्रयास बताया। ताइवान में चीन केंद्रित सम्मेलन सोमवार से शुरू होगा। इस सम्मेलन का आयोजन चीन पर अंतर-संसदीय गठबंधन कर रहा है, जो 35 देशों के सैकड़ों सांसदों का एक समूह है। यह समूह इस बात को लेकर चिंतित है कि लोकतांत्रिक देश बीजिंग के प्रति कैसा रुख रखते हैं। 'एसोसिएटेड प्रेस% ने सम्मेलन के आयोजकों और तीन नेताओं से बात की तथा चीनी राजनयिकों द्वारा उन्हें भेजे गए संदेश व ईमेल की समीक्षा की, जिसमें यह पूछा गया है कि क्या वे सम्मेलन में भाग लेने की योजना बना रहे हैं। चीन अक्सर उन नेताओं और देशों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की धमकी देता है, जो ताइवान के प्रति समर्थन दिखाते हैं। वह ताइवान को अपना हिस्सा बताता है। चीन और ताइवान के विदेश मंत्रालयों ने अभी इस पर टिप्पणी नहीं की है। चीन पर अंतर-संसदीय गठबंधन को लंबे समय से चीन सरकार के दबाव का सामना करना पड़ा है। उसका उद्देश्य बीजिंग के संभावित खतरों के जवाब में कूटनीति को समन्वित करना है। बीजिंग ने इसके कुछ सदस्यों पर प्रतिबंध लगाया है। 2021 में चीन के सरकार प्रायोजित हैकरों ने इस समूह को निशाना बनाया था।

जीत की ओर बढ़ रही कमला हैरिस, प्रचार टीम ने सप्ताह से भी कम समय में जुटाया रिकार्ड चंदा

कमला हैरिस के राष्ट्रपति पद के चुनाव की दौड़ में शामिल होने के एक सप्ताह से भी कम समय में उनकी प्रचार टीम ने 20 करोड़ अमरिकी डॉलर का चंदा जुटा लिया है। यह जानकारी हैरिस की प्रचार टीम ने रविवार को दी। हैरिस की प्रचार टीम ने कहा कि इतने कम समय में 20 करोड़ अमरिकी डॉलर का चंदा जुटा लेना यह दर्शाता है कि हैरिस के पक्ष में समर्थन बढ़ता जा रहा है। प्रचार टीम ने यह भी माना कि राष्ट्रपति पद के लिए पांच नवंबर को होने वाले चुनाव में कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी और मतों का अंतर काफी कम रहेगा। राष्ट्रपति जो बाइडेन के चुनाव नहीं लड़ने के 20 जुलाई को ऐलान किये जाने के बाद से अब उपराष्ट्रपति हैरिस, राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की संभावित उम्मीदवार हैं।राष्ट्रपति पद के लिए हैरिस के प्रचार अभियान के संचार निदेशक माइकल टायलर ने कहा, ''पिछले रविवार को राष्ट्रपति बाइडन के अनुमोदन के बाद से हैरिस की प्रचार टीम ने 20 करोड़ अमेरिकी डॉलर का चंदा जुटाया है जो कि एक रिकॉर्ड है। राशि का 66 प्रतिशत ऐसे लोगों से आया है जिन्होंने पहली बार चंदा दिया है। यह इस बात का एक और सबूत है कि हैरिस के लिए समर्थन मजबूत होता जा रहा है।

भारत के सुदर्शन ने दिखाया दम, मार गिराए 80% दुश्मन, बाकी भागने को हुए मजबूर

एजेंसी। भारतीय वायु सेना ने हाल ही में अपने सुदर्शन S-400 वायु रक्षा मिसाइल सिस्टम का परीक्षण किया, जिसमें इसने 80% दुश्मनों को गिरा दिया और बाकी को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। यह सिस्टम रूस से खरीदा गया है और इसका नाम भगवान कृष्ण के सुदर्शन चक्र पर रखा गया है। इसे दुनिया की सबसे उन्नत और प्रभावी वायु रक्षा प्रणालियों में से एक माना जाता है। भारतीय वायु सेना ने युद्ध जैसी स्थिति में सुदर्शन S-400 का परीक्षण किया। इस अभ्यास में सिस्टम ने 80% दुश्मन हवाई लक्ष्यों को गिरा दिया, जबकि बाकी 20% को भागने पर मजबूर कर दिया। भारत ने पाकिस्तान और चीन की सीमाओं पर S-400 की तीन स्क्वाड्रन तैनात की हैं। हालिया अभ्यास उन्हीं क्षेत्रों में से एक में किया गया।भारत और रूस ने S-400 की पांच स्क्वाड्रन के लिए 4.2 बिलियन का सौदा किया था। भारतीय वायु सेना को अभी भी दो और स्क्वाड्रन मिलने बाकी हैं, जो 2026 तक आ जाएंगे। भारत ने रूस से इनकी डिलीवरी जल्दी करने का अनुरोध किया है। चीन ने अपनी रक्षा क्षमताओं को बढ़ाया है, जिससे निपटने के लिए भारत ने सुदर्शन S-400 सिस्टम को पूरी तरह से अपनी वायु सेना में शामिल कर लिया है। भारत ने हाल ही में स्वदेशी MR-SAM और आकाश मिसाइल सिस्टम, साथ ही इजरायली स्पाइडर मिसाइल सिस्टम भी प्राप्त किए हैं। इसके अलावा, भारत अपने लंबी दूरी के सतह से हवा में मार करने वाले मिसाइलों की खरीद को भी मंजूरी दे चुका है।यह परीक्षण हमारे सशस्त्र बलों की तैयारी को दर्शाता है और संभावित दुश्मनों को स्पष्ट संदेश देता है कि भारत किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है। सुदर्शन S-400 सिस्टम की सफलता भारतीय रक्षा क्षमताओं में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

कनाडा में पंजाबी मूल के गैंगस्टर की गोली मारकर हत्या

कनाडा। वैंकूवर में एक पंजाब मूल के व्यक्ति इंद्रजीत सिंह जोहल की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। जोहल का नाम गैंग से जुड़ी गतिविधियों में भी आता था। यह घटना शनिवार रात को हुई, जब एक यातायात दुर्घटना के बाद पुलिस को गोलीबारी की सूचना मिली। पुलिस ने बताया कि शनिवार की रात एक यातायात दुर्घटना के बाद दो व्यक्तियों के बीच गोलीबारी की सूचना मिली थी। वैंकूवर पुलिस विभाग के अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और देखा कि एक व्यक्ति को गोली लगी है। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी हालत स्थिर बताई गई है। गोलीबारी में मारे गए इंद्रजीत सिंह जोहल का गैंग से जुड़ा लंबा इतिहास था। जोहल को मई 2018 में VPD और संयुक्त बल विशेष प्रवर्तन इकाई द्वारा गिरफ्तार किया गया था। उस पर हत्या की साजिश और अन्य गंभीर अपराधों के आरोप थे। वैंकूवर पुलिस विभाग ने बताया कि यह घटना एक सुनियोजित हमला था और इसमें कोई सार्वजनिक खतरा नहीं है। घटना की विस्तृत जांच की जा रही है। हालांकि, अब तक किसी को भी इस मामले में गिरफ्तार नहीं किया गया है। जोहल का नाम गैंग से जुड़ा था और उसे वैंकूवर सन के साथ जोड़कर देखा जाता था। उसके खिलाफ साजिश, हत्या की साजिश, और आपराधिक गतिविधियों के आरोप थे। जोहल की गिरफ्तारी के समय, उसे और कई अन्य गैंग सदस्यों को पकड़ा गया था। पुलिस का कहना है कि उन्होंने जांच के लिए सभी संभावित दिशाओं में काम शुरू कर दिया है और जनता से सहयोग की अपील की है। यह भी बताया गया है कि इस घटना से जुड़े किसी भी जानकारी के लिए लोगों को आगे आना चाहिए।

कालका-शिमला नेशनल हाईवे पर बड़ा हादसा

एक की मौत, तीन गंभीर रुप से घायल

सोलन। कालका-शिमला नेशनल हाईवे पांच पर एक बड़ा हादसा होने का सामचार मिला है। बता दें कि अखबार लेकर आ रही गाड़ी पर पत्थर गिर गए। यह हादसा सोमवार सुबह 2:30 बजे हुआ। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हुई है जबकि चालक सहित तीन गंभीर रुप से घायल हुए हैं। घायलों को उपचार के लिए तुरंत ईएसआई अस्पताल परवाणू ले जाया गया। यहां पर घायलों का उपचार चल रहा है। वहीं पत्थरों के गिर जाने से एक लेन पूरी तरह बाधित हो गई। इससे कारण सड़क पर लंबा जाम लग गया। जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान देव राज (40) पुत्र देस राज निवासी पलाही गेट, फगवाड़ा जिला कपूरथला पंजाब और घायलों की पहचान चालक कुलदीप सिंह (40) पुत्र हरभजन सिंह निवासी गढ़शंकर जिला होशियारपुर पंजाब, भावुक (23) पुत्र चमन लाल निवासी मोहल्ला जालंधर सिटी पंजाब, वंदना सोंधी (43) पत्नी चमन लाल निवासी मोहल्ला जालंधर सिटी पंजाब के रुप में हुई है। वहीं पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569